

PAC, by collective wisdom, should ensure that the clustering / grading / pass-fail decisions have been reasonably balanced.

The attendance registers of all the courses along marks, end-semester marks, grades and grade-ranges entered in the register are also to be sent to the Dean (Academic) /equivalent cadre immediately through the Head of the Department.

The Dean (Academic)/equivalent cadre shall go through the statement of grades (and the attendance register). In case of any problem that cannot be set right by the Dean (Academic) /equivalent cadre, the Chairman (Senate) is authorized to take appropriate action in this regard. The finalized list shall then be conveyed to the Chairperson, PAC.

10. AUTHORIZED BREAK OF STUDY : If the student does not report back to the department, even after the extended break of study, the enrolment of the candidate can be cancelled permanently.

11. CLASSIFICATION OF THE DEGREE AWARDED : After successful completion of the programme, degree will be awarded as per the following classifications based on the CGPA.

11.1 Students who successfully complete the programme with passing all the subjects in the first appearance and getting CGPA of 8.5 and above will be declared to have passed B.Tech. with first class distinction.

11.2 Students who get a CGPA of 6.5 and above, but below 8 and who complete the course within 9 semesters or authorized break, will be declared to have passed in first class.

11.3 Students who get a CGPA of below 6.5 and who complete the course within the maximum prescribed period after joining the Institute will be declared to have passed in second class.

12. ELIGIBILITY FOR THE DEGREE : A student shall be eligible for the award of the degree of the Bachelor of Technology (B.Tech) only if the student has undergone the prescribed programme of study by earning the minimum total number of credits specified in the curriculum of the relevant programme of study within a maximum duration of 7 years.

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

अधिसूचना
नई दिल्ली, 23 अ
तूबर, 2019

--	--

का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठित धारा 33 (अ) के अधीन का योग करते, ए, शासी बोर्ड के अनुमोदन से सीनेट, भारतीय सूचना तैौगिक संथान, , , , कयाणी के िनःिलिखत अ2यादेश बनाती है। वत मान अ2यादेश भा.सू.ौ.स. कयाणी (ारा तुत बी.टेक. िडXी काय 7म के िलए लागू है, और इस अ2यादेश के िनःानुसार दो भाग हः अनुाछेद कः ेडिट आधारत िनरंतर मूयांकन और पुरकार (सीसीएलसीए) से संबंधित अ

यादेश अनुाछेद खः वेश, , , , काय म संरचना और परी0ा (एपीई) से संबंधित अ

यादेश (नोट - दोन अनुाछेदक शु?आत म कुछ परभाषाएं हः, , , , िजनका उपयोग, जब तक कसी िवशेष .प से नहD कहा जाता है, तब तक दोन अनुाछेदम समान .प से कया जाता है।) अनुाछेदक क ेडिट आधारत िनरंतर मूयांकन और पुरकार (सीसीएलसीए) से संबंधित अ

यादेश (भा.सू.ौ.स. क)याणी ढारा

1 परेय

(अ).—भारतीय सूचना

ौौगिक संथान (साव जिनक-िनजी भागीदारी) अधिनयम, 2017 (2017

भा.सू.ौ.स. (सा.िन.भा.) अधिनयम 2017 इस कार हैसंथान का मुख शैAणिक िनकाय होगा और उसे शैAणिक मामल+ और गितिविधय+ तथा छाB+ के कयाण हेतु अ2यादेश+ को लागू करने, प&रशोिधत करने या

संशोधित करने का 19. (1) इस अधिनियम, संविधय+ और अ2यादेश के ावधान+ के अधीन, सीनेट इस बी.टेक. डि*ी काय म के िलए)

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 137

		अधिकार होगा। (2) (ग) नए काय 7म+ या पा07म शुL करने के संबंध म5 बोड को िसफा&रश करना; (घ) काय 7म+ और पा07म क jापक शैAणिक िवषय वतु को िनयदि करना और उसम5 संशोधन करना; (ड.) शैAणिक कैल5डर िनयदि करना तथा डिXी, डिजलोमा और अय शैAणिक पदिवय+ या (च) िविभा परीAाJ के िलए परीAक+, प&रिनयामक+, तालिकाकार+ और ऐसे अय कम्पय+ को िनयुड करना(छ) िवविवालय+ तथा अय संधान+ के डिजलोमा और डिXी को मायता देना और 33. इस अधिनियम, संविदा और अ2यादेश के ावधान+ के अधीन, येक संधान िन;िलिखत म5 से कसी भी या सभी मामल+ के िलए ावधान कर सकता है; नामतः (क) संधानम5 छाB+ का वेश, (ख) संधान के सभी डिXी और डिजलोमा के िलए िनधा &रत कए जाने वाले पा07म; (ग) छाB+ को डिXी या डिजलोमा पा07म+ म5 तथा संधान क परीAाJ के िलए वेश दया जाने क शतP और डिXी और डिजलोमा के िलए पाBता; (घ) फैलोिशप, छाBवृि, दश िनय+, पदक और पुरकार दान करने क शतw; (ड.) परीAण िनकाय+, परीAक+ और प&रिनयामक+ क िनयुडय+ के कार, शतw और कत j; (च) परीAाJ का संचालन; (छ) संधान के छाB+ के बीच अनुशासन का ितपालन; और (ज) कोई अय मामला जो इस अधिनियम या संविदा के अनुसार हो सकता है या अ2यादेश+ (ारा दान कया जा सकता है।इन अ2यादेश+ को तदनुसार िन;िलिखत उ9े:य+ के साथ संधान क सीनेट म5 िनिहत 1) संधान क बी.टक. काय7म म विशत छाB+ क िनरतर मयाकन क िलए एक 7या संधान क डिXी और डिजलोमा के साथ समतुयता िनधा &रत करना अधिकार+ का योग करते ,ए तैयार कया गया है: थापित करना। उपाधिय+ को मंजूरी देना;
2. 3.	अ यादश का नामअ यादश माक नया	आधा&रत िनरतर मयाकन और परकार (सीसीएलसीएए) स संबिधत अ2यादश संबोिधत कया जाएगा 2019/ बी.टक./सीसीएलसीएए/01

4. 5. परशोधन क2 िथित म, अ

यादेश का पुराना मांकपरभाषाएं इस अ2यादेश के योजनाथ , िन;िलिखत अनुसार प&रभाषाएँ लागू होगी;
 िड*ी": बी.टेक. िडXी काय 7म का उलेख "िड*ी"

लागू नहव

		5) तीन घटक अविधय+, नामतः मेकअप / पूरक परीAा अविध सहित सी1, सी2 और सी3 "कोस िाप":":":": अ2यादेश म5 िनधा &रत शतY के तहत, पाO7म(म+) क 7ेडिट अपेAाJ उचित मूयांकन के बाद 7ेडिट अरजत करते है, उसका उलेख "पाO7म"होगा। येक पाO7म म5 जालेयान, कूटो&रयल और योगा) मक सB शािमल ह+गे। एक पाO7म म5 इनम5 से एक या तो सभी तीन घटक होसकते ह=। ोजे ट को एक पाO7म के LP म5 भी माना जाता है।(सहभागी चचा / व-अ2ययन / डेक काय / 1ोगरी / संगोKी तुित, आद. िजससे, छाB तुत िवषयवतु को भावी ढंग से समाहित और आ)मसात कर सकेगा, तथा योगा) मक /अqयास सB (अनुभव / योगशाला योग+ / AेB अ2ययन / केस टडीज आद गितिविधया शािमल ह= जो छाB को अपेिAत कौशल अवगत करने म5 सAम बनाते ह=) उसका उलेख "घटक" होगा। अविध होगी को पूरा न कर पाने के प: चात पाO7म(म+) को दोहराने वाले छाB का उ लेख 'कोस िाप' के LP म5 कया जाएगा। कारण, छाB को उसके िपछले कोर म5 सुधार करने के िलिए एक अित&RD अवसर दान करने क द्ि से, परीAा(J) के आयोजन को "मेकअप / पूरक परीAा" कहा गया है। कसी भी पाO7म के िलिए पंजीकरण नहव करता है या सभी पाO7म+ के िलिए DROP का चयन करता है या वह सभी पाO7म+ को िपछले करने के िलिए मजबूर कया जाता है, जैसी भी िथित हो "रुं छमाही" छमाही(याँ) को "िपल ओवर छमाही" के िलिए िनयिमत LP से िनधा &रत पाO7म+ के अलावा िलिए गये पाO7म को "पूरक पा' म"कहा जाएगा। इन पाO7म+ को िनयिमत छमाही पाO7म+ के दौरान और साथ म5 िलया जा सकता है या इसके अलावा छमाही(याँ) पर िपल ओवर दौरान पा' म":":":": ऐसे पाO7म (म+) िजसके िलिए एक छाB िनधा &रत ावधान+ के अनुसार रुं छमाही": यह एक ऐसी छमाही, है िजसम5 छाB या तो छमाही क शुआत म5 घटक": शैAणिक गितिविधय+ जैसे जालेयान (यA जालेयान सB), कूटो&रयल पूरक पा' म":":":":अित&RD वीणता ाH करने के िलिए सामाथ्य िडXी के पूरा होने तर मूयांकन": : : िनधा &रत पाO7म के िविभा घटक+ पर स0पूण छमाही म5 छाB रुं छमाही": : : िनधा &रत सामाथ्य छमाही के पूरा करने के पxात अित&RD िनरंतर मूयांकन"से उलेखित होगा। "": छमाही- सी 3 घटक म5 असफल / डिाछत अंक ाH ना करने छमाही' होगा एक छमाही म5 सामाथ्यतया बीस स] ताह क
--	--	---

यानी अित&रD समय देकर िलया जा सकता है। कहा जाएगा। समानता के साथ इस पाO7म घटक के LP म5 तुत है, उसे “समतु)य पा' म”: संधान के वेश, मूयांकन और पुरकार िवभाग को “एएए िवभाग”: एक पाO7म, िजसे पहले पाO7म के साथ बड़ी माBा म5

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 139

		16) “स0माथ्य िनकास िवकप”: जब छाB िनधा&रत चार वषTय बी.टक. िडXी काय7म को छह 7िमक वषY म परा करन म असमथह, तब उनक िलए िनकास िवकप उपलपध ह िजस कहा जाएगा। (अथा त XीQमकालीन अवकाश अविध) के बीच क अविध के दौरान आयोजित कया जाना िनिःत है। यह संबंधित िवभाग के िववेक पर िनभ र करता है और अनवाय ता नहv है। प&रमाणन को “*ेड Iवाइंटउपिथित” कहा जाएगा। *ी/मकालीन छमाही”का अथ एक छमाही है जो क सम और िवषम छमाही उपिथित”: एक शैिक गितिविध सB म5) यA jिDगत उपिथित को ”: एक पाO7म िवशेष म5 उसम5 यथाप&रभाषित छाB क उपलिपध के
		“स0माथ्य िनकास िवकप” कहा जाएगा। यह अ2 यादश, एक स थान (ारा अपन नामाकत छाB+ क ‘निरंतर म याकन’ क17) इस दतावज़ म, वह / उस / उसका / आद का अथ, कसी भी तलग िवशेष क ित पवाXह कए िबना, एक छाB/ सकाय सद य स होगा।
8.	Xकसक िलए	अलग नीितय+ / थाJ, िवषय / सबिधत म9+ पर, ऐसी तारीख स अधि7मित ह+ग। यह अ2यादश भा.स.ौ.स. कयाणी म काय7म वष2019 और उसक पxात िविभh बी.टक. काय7म+ म विशत सभी अवर 6ातक छाB+ क िलए ह। निरंतर मयाकन म वतमान शाणिक छमाही, िजसम छाB का नामाकन होता ह, उसक दौरान छाB (ारा क गई सभी शाणिक गितिविधय+ को 2यान म रखा जाता ह। इसम
9.	म)याकन त= जब म)याकन Xकया	समीAा परीAा (परीAाJ), 1ोहुरी, कटो&रयल, वा2याय, ा)यिAक, सराइज टट, कप काय , टम वक , संगोKी / चचा J आद जैसी िनरंतर मूयांकन सुनिःत करने वाली आवःयक गितिविधयां शािमल ह=। समीAा परीAा 7मशः उ त दो घटक सी1 (सी 1का और सी 1ख) और सी2 अविधय+ का औसत अथवा सव□) तम के अंत म5 छमाही के दौरान आयोजित ह+गी सी3 अंतिम छमाही परीAा संधान क एएए िवभाग (ारा िनधा&रत क जाएगी। सबिधत सकाय सदय र कटय, य, सच, अच घणा।

हालांकि सराईज टेट जैसे कुछ घटक अनियोजित तरीके से भी हो सकते हैं। तथापि, संकाय (ारा छाB+ को पाO7म म5 लागू किए जाने वाली मूयांकन के पGित से अवगत कराया जाएगा। समीAा परीAा: ित घटक एककूटोरयल / संगोKी / विचार-विमश : जैसा कि पाO7म के भारी संकाय (ारा िनिखत

		किया जाए
11. 12.	Xकतनी बार म)याकन Xकिया जाएगा उपिथित	आयास / ामपि0क:)यक अयास / ा)पिAक सB क अत मZोBरी:जैसा कि पाO7म के भारी संकाय (ारा िनिखत किया जाएगा:जैसा कि पाO7म के भारी संकाय (ारा िनिखत किया जाए क.छमाही / XीQमकालीन छमाही म5 मूयांकन के िलए िDगत LP से)येक ख.कसी भी प&रिथित म5, C3 छमाही अंतिम परीAा या मेक उप /पूरक परीAा म5 ग.संिAH &रपोट केवल संबंधित संकाय सदय (ारा एएए विभाग को भेजी जाएगी। पाO7म म5 कम से कम 75% उपिथित अनिवाय है।उपिथित अनिवाय है।यदि वह शूफ़ य हो तो एक शूफ़ य &रपोट भेजी जानी चाहिए। कसी भी &रपोट को शूफ़ य &रपोट नहय माना जाएगा। &टपणी -िचक)सा, सामाजिक दायि)व, खेल और / या सांक्रुतिकगितिविधय+ म5 सहभांगिता / ितिनिध)व, जलेसम5ट गितिविधयाँ आदि जैसे कारण+ के िलए उपिथित म5 25% क छूट है। सभी गैरहाजिरी को शAणिक उ9:य+ के िलए संबंधित एफसी / एचओडी तथा हॉटल योजन+ के िलए हॉटल वाडन के िलए सिचत किया जाएगा। एफसी / एचओडीकायालय एएए
13.	मूयांकन के कार	भारता (20%) (30%) (50%) अविध चौथा - पाँचवाँ साह आठवाँ - नौवाँ साह सोलहवाँ - अठारहवाँ साह (छमाही के अविध को लोचशील रखा गया है ताकि यह सिनि: चत किया जा सक कि वह घ.सीनेट / सीनेट के अ2यA के पास उपयु D िनयमो के बावजूद उपिथित म5 छूट के विभाग को तदनसार सिचत करेगा।अनुमित देने का अधिकार होगा। बारहवा - तेरहवा साह (छमाही के दौरान) (छमाही के अंत म5)रचनाममक योगाममकमूयांकन संपूणमूयांकन 2 सी मूयांकन
		घटक 1 (सी1) = 20% (सी1 यह सी1क & सी1ख का औसत या सवगुम होगा। सी1क & सी1ख को छमाही के चौथा-पाँचवाँ सHाह और बारहवाँ-तेरहवाँ सHाह के अंदर पूरा किया छमाही के सोलह स] ताह अथात 80+5 दवस+ के बराबर f यनतम कायदवस+ म परी हो सके और यदि वह शूफ़ य हो तो एक शूफ़ य &रपोट भेजी जानी अपेिAत है।)

14. मूल्यांकन के मयेक घटक क2 रिगित तिशत भारता जाएगा) घटक 2 (सी2) = 30%(आठव5 और नौव5 सहाह के दौरान पूरा कया जाना है) सी1 और सी2 म5 संबंधित पाठम के भारी फैकटी के अनुसार, संकाय अविध के अंत म5 निधा &रत लोडरी, कूटो&रयल, वा2याय, एमआईडी छमाही, आद जैसे शैक्षणिक
- ¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 141

15.	मूल्यांकन घटकोजै	गतिविधया शामिल होगी। घटक 3 (सी3) = 50%(अंतिम छमाही परीक्षा को शामिल करना और छमाही के पंहुवां से अठारहवां सहाह के दौरान होना) जोे ट को एक विशेष पाठम के Lप म5 भी माना जाता है, इसका मूल्यांकन सी1, सी2 और सी3 घटक+ के मा2यम से कया जाता है, जहाँ: प&रभाषा, साहि)य सवपाण, जोे ट के िलए अपनाई जाने वाली काय णाली, आद पर मूल्यांकन को दशा ता है। गित, योजना, विकास और कायावयन पर मयाकन को दशाता ह। 1 (20%) जोे ट म5 अनुसंधान योगदान पर क5सत है। यह समया क पहचान और 3 (40%) अितम तित, दशन / ितवाद / मौखिक प&रआा क आधार पर दो भाग+ म (40%) प&रणाम, चचा , आद सहित एक ााट &रपोट क तैयारी के साथ िनरंतर
	मयाकन परणाम क2	मयाकन को सद्भूत करता ह। मयाकन क भाग 1 (20%)मूल्यांकन और अंतिम तुति शामिल है, इसके अलावा, जबक मूल्यांकन के भाग 2 (20%)म5 दशन और ितवाद / मौखिक प&रआा शामिल ह=। म य छमाही: परीक्षा होने क बाद तीन सहाह क भीतर। अंतिम छमाही: छमाही के अंत म5
16.	जानकारी कब िमलगी	पटोरयल / सगो7ी / चचाए / तितया: गतिविध परा होने क एक सहाह क भीतर। आयास स= / ामयिक: ा)यिआकसB के अंत म5। ZोBरी: उड लोडरी के संचालन के एक सहाह के भीतर। सपणमयाकन Xड शीट पर िनयदQ टानसार सप ज ट टॉलर&टव कतलग और Xड+/समत यितशत क अभि य त िववरण (ारा क&टत, सथान क िविभh घटक+ का कल योग /
17. 18.	सपण मयाकन कस और कब ेडिट आधारत माणन योजना	भा&रत वातवम विशत सामाथ्य अविध परी कारी (ारा लतभी सभव प&जारी डिखीोखाम रता ह। कसी भी िविधवतणाम क होमाएक महीन क कयाकल क जाएगा। कूग क एक साम घोषणा क डिडट क अदर हताA&रत म, ही ह। इसके बाद, अधि आधार पर एरका 10 क हअ2यमद णाम, एए ओ/उसका लाभ माणन कवगया हो) िन छमाही को शजब िवभागा। Xड उठाया छाB (ारा जो वश र लगा, िगनक उपयD छाBिब शीट को न का अजत 7ामाथत: (XीQमकालपB माणन नचाआठ ावधान क वह अितम प&र िन,ानसार मा जायग: ितिथ स लपटान लमाही ई द रकार क िलाग मा लगातार

1. 2. बी. टेक. डिंडीअरजत 7ेडिट पर माणनचार वष (8 चार वष (8 छमाही) छमाही) अविध6 वष (12 6 वष (12 छमाही) छमाही) 159 या उससे न्यूनतम 160 कम

		iv. iii. v. ii. i. *सिफ समाया विकास विवकपकोई)या या पा विवि वेश ावधान के साथनहव। एक बार विकास के बाद, खुले वेश के मा2यम से बी.टेक म5 नए वेश के अलावा कोई पुनरारंभ संभव नहव है। पा07म क सामाअय अविध के पूण होने के अधीन, छाB, एए अनुभाग को इस आशय का एक jD अनुरोध करके, वेछा से भी विकास विवकप का लाभ उठा सकते ह=। ऐसा अनुरोध, वीकार करनेके पखात, अप&रवत नीय होगा। इस तरह के मामले म5, छाB को यह सुनिखत करना होगा हालांक, इस तरह का अनुरोध करने से पहले सभी आठ छमाही के शुका विविधवत भुगतान कया हो।इस तरह के माणन को, संधान के नियमित दीAांत समारोह म5 दया जाएगा।बी.टेक डिंडी काय 7म म5 वेश क तिथि से वषY क गणना क जाती है। जैसा क ऊपर नियदQ ट कया गया है, पा07म क अधिकतम अविध म5 सभी ावधान+, जैसे मेक-अप / पूरक परीAा, ाप पा07म+ (पा07म+), &RD छमाही, अकल या सयोजन मjतीत कया गया समय शामिल ह। इसम, यथायो य,XीQमकालीन छमाही भी शामिल ह।
	उमक7ता" क सिंहत	बोनाफाइड छाB, जो उपरोD 7ेडिट आधा&रत माणन योजना के अनुसार बी.टेक डिंडी के लिए पाB ह, 8.50 या उससे ऊपर क डिंडी Xड jवाइट इड स (डीजीपीआई) ाH करन पर ढका सदभउस समयाविध स ह, जिसक प: चात बी.टक डिंडी काय7म वत: ही समा] त हो जाएगा, जिसके प&रणाम- वLप इस अविध के दौरान अरजत 7ेडिट के अनुLप माणन दया जाएगा।
19. 20.	डिंडी का ावधानमेक अप / पूरक परी0ाएं	लिए बी.टक ाH करन क प: चात "उ" कQ टता सिंहत डिंडी" लिए पाB होगा।&ट]पणी: "डिट शन क साथ डिंडी" क लिए 8.491 क डीजीपीआई क लिए 8.50 पणन नहव होगा, लेकिन 8.495 और इसके बाद 8.50 का पूण न होगा।क)छमाही के 18 व5 से 20 व5 सHाह के दौरान होने के लिएख)मुय Lप से ऐसे छाB (J) के लिए ावधान, जो कसी कारण से अनुशासना)मक आधार पर सी3 या एफ 2ेणी म5 30% से कम अंक हासिल करते ह=। वैकिपक Lप से, छाB, पा07म संकाय से (मेडिकल आधार या अय वैध कारण के तहत) पूव म5 अनुमित के साथ और एए विभाग को दी गई सूचना के तहत सी3 म5 उपिथत होने से छूट का अनुरोध कर सकते ह= और सीधे मेक अप / पूरक परीAा म5 उपिथत हो सकते ह=।हालांक मेक अप/ पूरक परीAा को पहले दए गए अवसर पर सुधार के अवसर के Lप

म5 नहव देखा जा सकता है।जब भी कोई छाB वयं को मेकअप / पूरक परीAा अवसर दान करता है, मेक अप/ पूरक परीAा म5 ाH कये गए अंक+ को अंतिम Xेड गणना के लिए माना जाएगा। हालांक, अनुशासना)मक

आधार पर सी3 या Xेड एफ zेणी म5 30% से कम अंक वाले छाB ने मेक अप/पूरक परीAा म5 ाH कए अंक+ को एक zेणी कम (zeणी पी को छोड़कर) के साथ अंतिम zेणी गणना के िलए माना जाएगा।

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 143

21.	पा' म म िॉप - कब, माग	क.कसी िवशेष पाO7म म5, यद छाB समX मूयांकन म5 zेणी 'एफ' म5 असफल ख.कसी िवशेष पाO7म म5,यदउपिथित 75% से कम है, या अनुमत छूट से बाहर ग.जब भी कोई छाB कसी पाO7म म5 &RD छमाही / □ॉप के िलए चयन करता है, घ.अ2ययन क गित के िलए छाB एक या एक से अधिक पाO7म म5 वेaछा से "□ॉप" ड.छाB न िजस पाO7म को सफलतापवक परा कर िलया हो और यद उसका होता है, तब छाB को उस िवशेष पाO7म से '□ॉप ,आ' माना जाता है। है, तब छाB को उस िवशेष पाO7म से '□ॉप ,आ' माना जाता है। या इस अ2यादेश के ावधान+ के अनुसार □ॉप होने के िलए मजबूर होता है, और जब छाB अपना अ2ययन जारी रखता है तब छाB को चिलत योजना के अनुसार िवभाग (ारा तुत चिलत पाO7म / चिलत समतुय पाO7म (म+) का अ2ययन करना होगा।पहले तथा नए तावित पाO7म सामXी के समकA पाO7म के िलए समतुय पाO7म (J) क िसफा&रश पहले से संबंिधत िवभाग िवभागा2 या/ एफसी (ारा संधान सीनेट के िवचार और अनुमोदन के िलए क जाएगी। चुन सकता है। एसजीपीआई 5.00 स कम ह तो उस अनवायLप स एक या एक स अधिक
22.	"पूरक" - 7ेडिट और माणपB जारी...	&टJपणी: पाO7म म5 □ॉप को पाO7म के सभी घटक+ म5, उपिथित सहित, आद क पूरी पुनरावृिग क आव:यकता होगी। 1)पूरक 7ेडिट ाH करने के िलए, छाB को वेश लेने के िलए आव:यक 160 7ेडिट के अलावा, छाB अित&RD Lप से नीचे दए गए अनुसार कुछ 7ेडिट पाO7म+ म5 अपना नामांकन करा सकता है। पाO7म (म+) स □ॉप करना पड़ सकता ह। क.बी.टेक. - इसके अित&RD, पूरक 7ेडिट के Lप म5 fयूनतम 16 7ेडिट अरजत ख.सभी 16 पूरक 7ेडिट को ारंभिक िडXी नामांकन िवभाग से अरजत कया ग.यद अंत:विषय काय 7म से ारंभिक िडXी नामांकन क कसी भी िवशेष कए जा सकते ह=।जाता है, तो छाB को ऑनस बी.टेक. (िवशेष?ता xxxxxx) िमलेगा। पहले से, सभी िवभाग एक या एक से अधिक िवशेष?ता और ऐसे)येक िवशेष?ता के पाO7म को प&रभाषित कर5गे।संबंिधत िवभाग से 16 पूरक 7ेडिट अरजत कए जाते ह=,छाB को (अमुेय xxxxx) ऑनस बी.टेक िडXी िमलेगी। सभी िवभाग एक या एक से अधिक िविशिताJ और)येक ऐसे लघु पाO7म+ को पहले से प&रभाषित कर5गे।

2) ित छमाही 7ेडिट क ऊपरी सीमा 24 7ेडिट से अधिक नहव होगी, िजसके िलए एक घ.यद 16 पूरक 7ेडिट को िवभाग+ के वगाकरण से अजत कया जाता है तो ड.यद 16 से कम पूरक 7ेडिट अजत कए जाते ह= तो xxxx 7ेडिट-स के िलए िनयिमत िडXी के अलावा "पूरक िडलोमा" से स0मािनत कया जाएगा। पूरक स-टफकेशन जारी कया जाएगा।

		3) इटनिशप क अलावा XीQमकालीन छमाही क िलए परक पाO7म को पजीकत नहवबी.टक. छाB, कसी भी समय खद को नामाकत कर सकता ह।
		4) परक इटनिशप और व-अ2ययन िवकप मयाकन क सी1, सी2 और सी3 पटनका भी कोई नहव। उपरोD अ.7. 20 म दी गई शतY क अनुसार, छाB को उपलधता क अ2 यधीन पालन करत ह। कया जा सकता।
23. 24.	पेपर परी0ा ावधानपरक परी0ा / बक िपल ओवर छमाही	और त)कालीन चिलत पाO7म+ क अनुसार िन;िलिखत छमाही म िवशष पाO7म स ाप ल कर फर स पजीकरण करना होगा। ऐछक पाO7म क सबध म, छाB ऐछक को बदलने का िवकप चुन सकता है, िजसक अनुमित है। छाB या तो सीखने क िनधा &रत गित से आगे बढ़ सकता है या अपनी सीखने क गित को धीमी गित से िनधा &रत कर सकता है, नीचे दए अनुसार िपल ओवर छमाही के लाभ का उपयोग करके, िवकप+ का चयन कर सकते ह=: क.िपल ओवर छमाही (य+) फर से पंजीकृत पाO7म / पूरकपाO7म पूरा करने ख.9 वव से 12 वव तक क अित&रD छमाही िपल ओवर छमाही के LP म5 उपलध ग.इन छमाहिहय+ म नामाकत होन क िलए अित&रD शक का भगतान करना होगा, के िलए ावधान करती ह=। ह+गे। माBवह 7ेडिट घट क अनपात म होगा।

25.	*ी/मकालीन छमाही	क.आम तौर पर एक सामान्य छमाही क आधी अविध होती है, फर भी 7ेडिट घंटे क ख.यद कसी िवशेष कAा म5 ाप छाB+ क संेया कुल छाB+ के 10% भाग से कम है ग.जिसम5 10% से अधिक भाग उस पाO7म म5 ापके िलए चयन करते ह= या घ.कसी भी पाO7म म5 नए पंजीकरण के िलए नहव है।ड.पिछली छमाही के ाप को भी िपल ओवर छमाही का उपयोग करके नामांकन ाH आव:यकताJ को पूरा करना होगा, य+क उOमीदवार केवल आधे सामान्य 7ेडिट के िलए पंजीकरण कर सकते ह=।(सभी वगY को एक साथ ले कर गणना), केवल संबंधित िवभाग के िववेकाधिकार पर तुत कया जाता है।अ2यादेश+ के आधार पर ापके िलए मजबूर कया जाता है, उन पाO7म+ के िलए अनिवाय Lप सेकया जाएगा।कर सकते ह=।घ.इसक अित&RD, िनयमित Lप स िडXी आव:यकताJ स अधिक अित&RD 7ेडिट अजत करने के िलए, पूरक पाO7म लेने के इाछुक छाB इन िपल ओवर छमाही का उपयोग कर सकते ह=।
-----	-----------------	---

च.यद पूरक पाO7म केवल इंटन िशिप के कारण है, तो पूरक पाO7म के िलए उपयोग छ.उपिथित संबंधी मानदंड अथ सामान्य छमाही के िलए यथायो य मानदंड+ जैसे ही ज.XीQमकालीन छमाही के दौरान ापपाO7म के बराबर अधिकतम केवल 12 7ेडिट नहव कया जा सकता है।ह+गे।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 145

		जबीइका लाभ उाय जाएगा, बवहबी.क.िडXी ा तरन ि आव: झ.XीQमकालीन छमाही का लाभ उठान के िलए िनधा&रत अित&RD शक का भगतान पजीकत कए जा सकत ह।करना होगा।
26.	रु छमाही	जीइक ाभ य जए, वी.क. आ: 160 7ेडिट क ओर कसी भी 7ेडिट+ के िलए पजीकरण नहव कर सकता। हालाक, कवल 7ेडिट पर एड ऑनक िलए इटनिशप / व-अ2ययन िवकप (िवक प+) को चनन क अनमित दी जा सकती ह। कवल ऐस छाB, जो 8.35 स ऊपर सीजीपीए क साथ पहली 8 7िमक छमाहिय+ म 160
27.	"णी, पदक, आXद.	7ेडिट परा करत ह और िजनक िवLG कोई अनशासना)मक कारवाई दजनहव क गई ह, zणी / पदक / zKता / सOमान आद ाH करन के िलए पाB ह+ग और सरकार (ारा िवग

अनुच्छेद 28. क&ठनाइय+ को दूर करने के अधिकार पोषित / संथान ायोिजित छाB फेलोशिप / छाBवृिग, िशिप आद के िलए पाB ह+गे । ऐसे िवषय िजनका उपरोD या अ)यािशत प&रिथितय+ के िलए यहां समाविं नहव कया गया है,लेकन उपरोD अ2यादेश के काया fवयन के दौरान उ)पाह हो रहा है, सीनेट अ2यA को क&ठनाइय+ को दूर करने और इन िवषय+ पर िनण य लेने के िलए अधिकृत कया जाएगा। सीनेट क अगली बैठक म5 इस पर िवचार कया जाएगा।

भ1.	ा.स.ौ.स. क)यपरेेय	णी ढारा तत बी.टक. उपाधि काय म क िलए वश, , , , काय म सरचना और परी0ा (ऐपभा.सू.ौ.स. (स.िन.भा.) अधिनयम 2017 म5 िन0 नानुसार ावधान कया गया है: 19. (1) इस अधिनयम, संविधय+ और अ2यादेश के ावधान+ के अधीन, सीनेट संथान का मुख (2) (ग) नए काय 7म+ या पा07म शुL करने के संबंध म5 बोड को िसफा&रश करना; (घ) काय 7म+ और पा07म क jापक शैAणिक िवषय वतु को िनयुदऱ करना और उसम5 संशोधन करना; (ड.) शैAणिक कैल5डर िनयुदऱकरना तथा िडXी, िडजलोमा और अथ शैAणिक िविशQ टताJ या (च) िविभा परीAाJ के िलए परीAक+, प&रिनयामक+, तालिकाकार+ और ऐसे अथ कऱमय+ को िनयुड करना(छ) िव िवालय+ तथा अथ संथान+ क िडजलोमा और िडXी को माथ्यता देना और संथान क िडXी और िडजलोमा के साथ समतुयता िनधा &रत करना शैAणिक िनकाय होगा और उसे शैAणिक मामल+ और गितिविधय+ तथा छाB+ के कयाण हेतु अ2यादेश+ को लागू करने, आशोधि त करने या संशोधि त करने का अधिकार होगा। उपाधिय+ को मंजूरी द5ना; अ यादेश
-----	----------------------	--

33. इस अधिनयम के ावधान+ और संविधय+ के अधीन,)येक संथान अ2 यादेश िन;िलिखत म5 से कसी भी या सभी मामल+ के िलए ावधान कर सकता है; नामतः (क) संथान म5 छाB+ का वेश, (ख) संथान के सभी िडXी और िडजलोमा के िलए िनधा &रत कए जाने वाले पा07म; (ग) छाB+ को िडXी या िडजलोमा पा07म+ म5 तथा संथान क परीAाJ के िलए वेश दया जाने क शतP और िडXी और िडजलोमा के िलए पाBता; (घ) फैलोिशप, छाBवृिग, दश िनय+, पदक और पुरकार के

		दान करने क शतw; (ड) परीAण िनकाय+, परीAक+ और प&रिनयामक+ क िनयुिडय+ के कार, शतw और कत j; (च) परीAाJ का संचालन; (छ) संथान के छाB+ के बीच अनुशासन का ितपालन; और (ज) कोई अथ मामला जो इस अधिनयम या संविदऱ के अनुसार हो सकता है या अ2यादेश+ (ारा दान कया जा सकता है।इन अ2यादेश+ को तदनुसार िन;िलिखत उ9े:य+ के साथ संथान क सीनेट म5 िनिहत अधिकार+ का 1) संथान क बी.टक. काय7म म विशत छाB+ क िनरतर मयाकन क िलए एक 7या थािपत योग करत ,ए िनऱमत कया गया हः

3. 4.	परशोधन/संपर शोधन अ यादेश मांक शोधननया/नाम	अ2यादश कहा जाएगा 2019/ बी.टेक./एपीई/01 लाग नह ^v
5.	म, अ यादश क2 िथित का पुराना मांक परभाषाएं	इस अ2यादेश के िलए, िनःिलिखत अनुसार प&रभाषाएँ लागू होगी; मूयांकन के बाद 7ेडिट अजत करते है, उसका उलेख “पा07म”होगा।)येक पा07म म5 jंeयान, kूटो&रयल और ा)यिAक सB शािमल ह+गे। एक पा07म म5 इनम5 से एक या तो सभी तीन घटक हो सकते ह=।ोजे ट को एक कोस के Lप म5 भी माना जाता है। kूटो&रयल (सहभागी चचा / व-अ2ययन / डेक काय / 1ोहरी / संगोKी तुित, आद.जिससे, तुत विषयवतू को छाB भावी ढंग से अवशोषित और आ)मसात करने म5 सहायता करेगा, तथा)यिAक /अद्यास सB (अनुभव / योगशाला योग+ / AेB अ2ययन / केस टडीज आद गितिविधय+ शािमल ह= जो छाB को अपेिAत कौशल से अवगत कराने म5 सAम डि*ी": बी.टेक. डिXी काय 7म का उलेख "डि*ी"पा म":":":":.ऐसे पा07म(J) िजसके िलए एक छाB िनधा &रत ावधान+ के अनुसार उचित शै0णिक गितिविधयों": शैAणिक गितिविधय+ जैसे jंeयान (यA jंeयान सB),

बनाते ह=) उसका उलेख “शै0णिक गितिविधसी3, का समावेश करने वाली अविध को
संदर्भत करेगा। एक XीQ म कालीन छमाही को छोड़कर छमाही"तीन घटक
अविधय+, नामतः मेकअप / पूरक परीAा अविध सहित सी1, सी2 और िनरंतर
मूयांकन": : : : छाB का िनधा &रत पा07म के िविभh घटक+ परस0पूण छमाही
म5 िनरंतर मूयांकन"से उलेखित होगा।

¹Hkkx IIm[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 147

13 / 41

अगत (विषम सेमीटर / ऑटम सेमीटर) और जनवरी (सम सेमीटर / tग सेमीटर) म5)येक शैAणिक वष जुलाई /
अगत से शुL होगा।

सामा: यसंसंसंसंरचना		ख.साग.पह क छाB O7म+ म म शक ण/ अनृीणकारक Lपम मल ह, जह न छाB+ घ.अ2ड.सं अकती जाना इडXी ी गई योजना किए िबाहर सामागी। कोमित दी च.सीछ ह।ऐ जातस काय अ7म एकॉडप रहासि ओवर जाथ ह विषयो न का पणकालिक नसार, तहो छम ह, समटराही बीशAणिXी स मा2 पर सफलता क िबी.क पील लेकन क (ॉड ज.ग। स0मक परा कय 7म+क िलए, अितमछा काय7म अन त कए ए O7म+ वषY म रन क आव:)याद ह। बढ़ावा ता ह। गायक झ क क आठ अअपना सबिधत िनय म+ (ारा दई इसथा&र छाB क)यक छम नाक ित क अधीन श योजनान त परी र, छाB उ छाBहर को परा वीक अधिकका ाही म yदं ह। क कोका न िनकल. क ा ह, अनसरण करता मेतम मयाकन अनसा िववरण स टक. तर और ा जाना ह, 7िडटथि ाO7म 7म क ह्रीक क िडिभh मयाकएए दश म अ2यादश छमाही)त को स सीमा िल च्यम पा अ2या दवक+ कहा जात प&रसर बढ़नधा 0 7िडट अधिकतम बदिलसछ माथत:, विभाग (ार ादश म स &रत ही अरान ती बाविह+ सीएलसी गित और मकाली अनछदक ा पा करण क क दौ काय7म पाO7म+ए करककक तित ए िधिकतम न अनरोध पर माही आ नकष पजीकतA उसकथा2क, 4 न क िलए, एक आवासी टक. और ा पटनक नियथा वकि 7िडट विवयम अXजी ह। यमाही िडX पटन) र+ क न क बी.टक. Aमता माकन करक, शाि कम 16 ाई जा िल सयापन ित एए छाB उसक यक पव- य सक ा औली अभभा अ2यास पयात क िको पाOाथ य अधिक नामाकन 7िमLप र मयाक उृी ा&रत सबिधत कम कसम भी ती ह।रजत म ल ।वकिपि ािनित छमाथ सछमाही अन छमाहि करन मिनर मत हो XीQमकालीन छ कह।िनि त अपन सकता अयीसी क पाO म कवल एक रतरशष हगा। एलसीना ाहीक िनिन, छाB छमा म ज.छउज यमलप 7िडट वभाग ारा समय-समय अधिकत न र तय कय ध सबिधत िम: प नामाक अधिका ह।ाही और

िनयिमत अविध

ेडिट जुलाई/ अगत- जनवरी- मई /जून जैसा क संबिधत विभाग ारा िनि\$त कया जाएनवंबर
/ जुलाई- जनवरी- मई /जून नवंबर / जुलाई- जनवरी- मई /जून नवंबर / जुलाई-
जनवरी- मई /जून --

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 149

		अधिकतम ेडिट	24	24	24	24	24	24	24	24	24	
--	--	----------------	----	----	----	----	----	----	----	----	----	--

ढ.शुक, जैसा क संथान (ारा समय-समय पर िनधा &रत कया गया है, मेक-अप / पूरक जाता है तो मूयांकन पाO7म को छोड़ने (ाप करने) से नहv रोकता है।सीनेट / अ2यA सीनेट (ारा उिचत िवचार के आधार पर िवशेष अनुमित दी जा सकती है।परीAा, सामाथ्य छमाही, िपल ओवर छमाही (J), &RD छमाही, XीQमकालीन छमाही(J), ितलेख, आद सिहत सभी छमाहीJ के िलए देय होगा।



9.	विषयव तुक2 सामाय वगकरण, पा म, साम*ी,संरच ना	पगति: III. II. I.क.बी.टेक डिXी काय 7म म5 एक पा07म क सामXी वितरण नि;लिखत म5 से या तो या सभी ख.7ेडिट के संदभ म5 "L" के)येक एक घंटे के सब म5 तित छमाही 1 7ेडिट होता हैऔर तित ग.एक छमाहि म5 सामाहत:अ2ययन-अ2यापन और मूयांकन 7या के पूरा होने के लिए 20 घ.)येक छमाही म5 पूव निधा &रत संया म5 पा07म और)येक पा07म पूव निधा &रत 7ेडिट ड.)येक पा07म म5 L-T-P के संदभ म5 एक पूव निधा &रत संरचना होगी, जिजम5 से)येक म5 च.पा07म का वगकरण - कोई भी पा07म नि;लिखत म5 से कसी एक के LP म5 वगतकृत छ.मुय पा07म वह है, जिसे छाB (ारा अ2ययन कया जाना अनवाय है। मुय पा07म को ii.हाड कोर कोस के ञॉपके विषय म5,वही हाड कोर कोस दोहराया जाना है, नह तो, समतुय i.ञॉपपा07म के संबंध म5, उह5 बदलने के उ9े:य से, "सॉट कोर" के तहत सूचीबG के मा2यम से होगा;्यान - कAा संपक सब के मा2यम से ज्यान सब को संदभत करता है। "L" (ारा विचि नत।कूटो&रयल - छाB+ (ारा भागीदारी चचा / व अ2ययन / डेक काय / संिAH तुतिय+ ऐसी अथ नूतन विधय+ के साथ से मिलकर सब (J) को संदभत करता है वह छाB को कुशलतापूव क और भावी ढंग से अवशोषित करने और ज्यान सब म5 वित&रत सामXी को आ)मसात करने म5 साम बनाता है।"T" (ारा विचि नत।अयास - अयास / ा)याक सब को संदभत करता हैऔर इसम5 अनुभव / योगशाला योग / AेB अ2ययन / केस टडी / लघु / मुख कप पर अनुभव यह छाB+ को ब,त आव:यक कौशल घटक ाH करने के लिए सुसित करता है।"P" (ारा विचि नत।छमाही फूनतमदो घंटे क अविध "T" सब 1 7ेडिट होता है और तित छमाही फूनतम एक घंटे तीस मिनट के सब "P" से एक 7ेडिट होता है।सहाह क अविध से दया है, जिजम5 से एक लेना चाहे तो, मेक अप / पूरक परीAा का अवसर भी शामिल है। होगा। अलग-अलग पूणाक 7ेडिट दए जाएंगे।कया जा सकता है: मुय पा07म / वैकिपक पा07म / विशेय पा07म।सॉट कोर कहा जा सकता है, अगर मुय शाखाके पा07म सूचि से / अ2ययन विषय या सह संबंधित / संबंधित शाखा/ विषय जो मुय शाखा / विषय का समथ न करता है इनमे से पा07म चुनने के लिए छाB के लिए एक विकप है।सॉट कोर सं?ा के विपरीत,अनवाय मुय पा07म को हाड कोर कोस कहा जाता है।पा07म, "वैकिपक पा07म" के LP म5 भी देखे जा सकते ह=।
----	--	--

ज.वैकिपक पा07म साधारणत: वह होता है जिसे पा07म+ सूची से चयिनत कया जा

iii.कप के विषय म5,पा07म "ोजे

ट" को "हाड कोर" कहा जाता है।हालांक ञॉपकप के हाड कोर कोस को लेना और

उद्घोषण करना है। विषय म5, कपशीष क को "सॉफ्ट कोर" कहा जाता है, और इसलिए विषय बदला जा सकता है और एक नए विषय पर कप किया जा सकता है।

¹Hkxkx IIµ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 151

		झ.पा07म को काय 7म म5 मुॆय पा07म (कोर कोस) के LP म5 तुत कया जाता है, इसे ज.प&रयोजना (कप) काय / शोध काय को विॆशेष पा07म के LP म5 संदॆभत कया जाता है, ट.यद कोई छाB अित&रD 7ेडिट के िलए पंजीकरण करके 160 से अधिक 7ेडिट सफलतापूर्व क ठ.कसी छाB को िजस विॆभाग म5 वेश लेना होता है, उसक fयूनतम संॆया संबंधित विॆभाग ड.विॆभाग कुछ एिाछक जैसे क इंटन िशिप (s), व अ2ययन एिाछक, आद को केवल ढ.व अ2ययन एिाछक को भी इंटन िशिप के दौरान लाभ उठाने क अनुमित दी जा सकती है, ण.भारत के या विॆदेश+ म5, संबंधित विॆभाग मुख/ एफसी के पूव पा; अनुमोदन के साथ विॆभाग त.कप भारत म5 या विॆदेश+ म5, संथान+ / ओग+ के िलए वीकाय हो सकते ह=, परftु सकता है और जो अ2ययन के विॆषय / विॆषय के िलए ब,त विॆशि; या विॆशेष या उहत या सहायक हो सकता है जो कसी अॆय शाखा / विॆषय / ?ानAेB के िलए विॆता&रत jािH / खुलासा दान करता है या छाB क वीणता/ कौशल ाH करता है। असंबंधित शाखा / विॆषय से चुना गया एक वैकिपक पा07म और वैसे सामाॆय हो सकता है, िजसम5 खुलासे क खोज होती है िजसे एक खुला विॆकप कहा जाता है। विॆशेष / उहत ?ान ाH करने क तुत क गये एक वैकिपक पा07म, जैसे क ोजे ट वक के िलए पूरक अ2ययन / सहायता अ2ययन और एक फैकटी (ारा एक सलाहकार के समथ न के साथ अपने आधार पर एक छाB अ2ययन करता है, उसे एक व-अ2ययन विॆकप कहा जाता है। दूसरे काय 7म म5 एिाछक के LP म5 या इसके विॆपरीत माना जा सकता है। य+क यह हाड कोर और एिाछक पा07म का संयोजन है ("ोजे ट" अपने आप म5 एक 'हाड कोर' है जबक विॆषय 'एिाछकया वैकिपक' है। पूरा करता है, तो फर एिाछक िजसम5 छाB ने बेहतर zेणीाH क है, उसे अंत म5 डीजीपीआई (DGPI)क गणना के िलए माना जाएगा।अित&रD एिाछक म5 अरजत 7ेडिट को पूरक माणन उ9े:य+ के िलए माना जाएगा।(ारा िनधा &रत क जाएगी।बाक एिाछक को एक ही विॆभाग या अॆय विॆभाग+ / इकाइय+ (ारा क तुत क जा सकती है, िजसम5 खुले विॆकप भी शािमल ह=।पूरकपा07म के LP म5 लेने के िलए ितबंधित कर सकते ह=।यद संबंधित विॆभाग मुख / एफसी (ारा अनुमोदत, एएए विॆभाग के तहत व अ2ययन (J) से अरजत 7ेडिट-स पूरक 7ेडिट-स के LP म5 ही माना जाएगा। यह आमतौर पर केवल इंटन िशिप क विॆशि; जLरत+ को पूरा करने क अनुमित होगी। ऐसे एिाछक L-T-P 7ेडिट अनुपात का पालन 0:1:3 म5 कर5गे।के फैकटी सदय के पूव jD क गई सहमित के साथ, िजसम5 छाB को नामांकत कया गया है, म5 इंटन िशिप वीकाय होगी।इंटन िशिप L:T:P 7ेडिट का अनुपात 0: 1: 3 होगा।संबंधित विॆभाग मुख/ एफसी क पूव अनुमित और AAA विॆभाग के िलए इस तरह क
--	--	--

सूचना देनी हो तो। इस तरह क प&रयोजना (कप) का विभाग के फैकटी सदय (ारा भी उलेख कया जाना चाहिए।उसी फैकटी सदय को उस विशेष छाB के िलए मुेय माग दश क बनना वीकार करना होगा और बौिGक संपदा अधिकार, यद कोई हो, उसे काय से बाहर िनकलना, भा.सू.ौ.स.कयाणी, माग दश क, छाB और संबंधित संथान / उोग क संयुD संपिg समान आधार पर होगी।

		थ.भारतीय या विदेशी भाषाJ म खला एिाछक, कवल उहव छाB+ को उपलपध होगा, िजनक			
10	(संरचना) इंटनिशप लेआउट				
ख.इंटन िशप को केवल विभागमुख / एफसी से संबंधित पूव अनुमित के आधार पर कया जा 3 4 सकता ह और उसी क िलिए आवदन को सॉटवयर (यद कोई हो) म इसक सचना और िविः क िलिए एएविभाग को िषत कया जाना चाहिए।इंटनिशप क िनधा&रत ितिथ क 61 स 100 दन101 दन और अधिक 0:1:2 0:1:3 3 7िडट4 7ेिडट					
11	वेश	ग.परंतु क विभागमुख / एफसीलिAत उोग / संगठन / संथा के बारे म5 आत नहव है, 1)संथान के चार वषाय पूण कालिक बी.टेक. िडXी काय 7म म5 वेश भारत सरकार (ारा 2)सरकार के अनुसार आरण नीितय+ के िलिए भारत के क5s सरकार (ारा दg तकनीक 3)बी.टक. िडXी काय7म म कसी भी पावश का कोई ावधान नहव होगा। शL होन स कम स कम 3 सHाह पहल इस आशय का आवदन करना होगा।विभागमुख / एफसी आवेदन को नामंजुर करके भी अनुमित को अवीकार कर सकता है।समय-समय पर सेिषित नीितय+ के अनुसार होगा।वत मान म5 वेश सीबीएसई, नई दली (ारा आयोजित संयुD वेश परीAा (मुेय) के मा2यम से होता है।सथान+ क मानदड लाग ह+गा।			
		4)बी.टक. िडXी काय7म क शाखाए समय-समय पर सीनट (ारा िनिxत क जाएगी।वतमान 1)ऐसे छाB+ (ारा लाभ उठाया जा सकता है िजह5 संथान के चार वषाय बी.टेकिडXी म5, हालांक, बी.टेक. िडXी म5 िनःिलिखत शाखा i) कंप्यूटर वि?ान और अभियांिBक म5 दान क जाती है।			

12 परवतन िवक)पशाखा 2)एक बैच के िलए केवल एक बार और वह भी केवल पहले सेमेटर के अंत म5 उपलपध है।काय 7म म5 वेिशत कराया गया है, लेकिन उसके िलये एक समान ारंभिक वेश मानक के साथ कसी अलग िवभाग (ारा क तुत चार साल क अविध के बी.टेक. िडXी काय 7म म5 बदलने क इाछा हो।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 153

		3)संथान के एए िवभाग (ारा बी.टेक. िडXी काय 7म के थम छमाही के प&रणाम के घोषित 4)एक शाखा बदल िवकप के िलए आवेदन करना शाखा बदल क अनुमित देने क गारंटी नहव 5)एक बार छाB को एएविभाग म5 उस आशय क वीकृति देने के बाद िवकप का लाभ 6)छाB केवल िन;िलिखत िथितय+ के सफल अनुपालन पर एक शाखा बदल िवकप के िलए 7)पहले छमाही के दौरान दु; वहार/ अनुशासनहीनता के कसी भी मामले म5 एक छाB 8)शाखा बदल िवकप क उपलपधता लिAत शाखा म5 सीट+ क उपलपधता के अधीन है।कसी 9)छाB के आचरण को 2यान म5 रखते ,ए और छाB क zेणी से वतंB होगा, शैिAक यो{यता के 10)पहल छमाही क प&रणाम क "बराबरी" क िथित म,यो{यता वश परीAा (वतमान म जईई ख.छाB को पहले छमाही के कसी भी पाO7म को नहव छोड़ना चािहए।क.छाB को बी.टेक िडXी काय 7म िजसम5 शुL म5 उसका नामांकन था उसके पहले छमाही के घ.संथान म5 पहले छमाही म5 छाB का आचरण दोष मुD होना चािहए।ग.संबंधित थम छमाहीके सभी िनधा &रत 7ेिडट के आधार पर, छाB ने 7.50 से अधिक या कया जाता है उस के बाद इस आशय क अभयाचना क जाएगी और वांछित छाB को उसी के िलए आवेदन करना होगा, िजसे शाखा बदल िवकप के िलए माना जाना चािहए।देता है। उठाया यह माना जाएगा। इस कार से िलया गया िवकप अप&रवत नीय है।आवेदन करने के िलए पाB होगा: शािमल पाया जाता है,तो जैसा क ऊपर कहा गया है वैसे अपनी शैAणिक यो{यता को अथ्य यो{यता के बावजूद, वह शाखा बदल के िलए िवकप से वंचित हो सकता ह=।भी काय 7म म5 उपलपध कुल सीट+ क अधिकतम संेया उस काय 7म म5 वीकृत सीट+ के बराबर होती है। िवचार पर शाखा बदल िवकप वीकाय होगा।इसिलए कोई आरण िनयम इस िवकप के तहत लागू नहव ह+गे।म(स परीAा) म सबिधत छाB+ क समX अखिल भारतीय रक क आधार पर िनणय िलया सभी पाO7म+ म5 उपिधत होना चािहए और सफलतापूर्व क उगुीण होना चािहए। उसके बराबर एसजीपीआई कोर कया हो।

14 15 Xकतनी बार Xकया गया

कैसे Xकया मुयांकन

मुयांकन

जाता है जैसा क अनुच्छेद कम5 विवृत है

16 17	मुयांकन के कार X याविध, मुयांकन-के द्वारा, अपीलXकस	क.)येक पाO7म का मुयांकन केवल 100 अंक+ म5 से होगा, भले ही इसके लिए संप्रेषण ख.आमतौर पर, फैकटी सदय पाO7म शिआक ह=, उस विशेष पाO7म म5 नामांकत छाB+ ग.मुयांकन का हिंसा बनाने वाले घटक संबंधित फैकटी (ारा छमाहि क शुआत म5 (सेमेटर घ.तावित पाO7म चार समान इकाइय+ से बना होगा, जैसे क)येक इकाई चार सहोह म5 ड.छाB को विभाघ घटक+ C1, C2 आद के मुयांकन के बाद मुयांकन उग्र लिपय+ को च.सी 1, सी 2 और सी 3 घटक+ म5 छाB (ारा बनाए गए अंक+ का विभाजन संबंधित फैकटी छ.L, T, P अ2ययन सामXी विवरण और मुयांकन के वLप के तहत सामूहिक आधार पर L, ज.C3 घटक म ाHाको क लिए कोई भी आपिग क लिए, छाBउग्रपिBका दखन क तीन 7ेडिट म5 से कोई भी हो, जहां C1 यह 20 अंक+ म5 से, 30 अंक+ के लिए C2 और)येक 50 म5 से C3 अंक मापनीय ह+गे।का मुयांकन कर5गे।विशेष प&रिधितय+ म5, अ2यA सीनेट दूसर+ (ारा मुयांकन के लिए अनुमित दे सकते हैं। के पहले सहोह के दौरान) घोषित कए जाएंगेऔर फर उस पूरे वग के लिए समान Lप से निधा &रत रह5गे।समावि करने योग्य होती है।C1 पहले दो इकाइय+ के सिलेबस, जबक बाक दो इकाइय+ के लिए C2, पूरा होने को चि नत करेगा।दखाया जाएगा, जैसा क सीसीएलसीएअ2यादेश म5 उलेखित है।सदय (ारा बनाए रखा जाएगा जब तक क, जैसी भी िथित हो, छाB डिXी / माणन से स0मानित नहव कया जाता है।T, और P के लिए मुयांकन कया जाएगाजिसका अथ है क चार 7ेडिट का एक पाO7म हालांक L के लिए 2 7ेडिट, T के लिए 1 7ेडिट और P के लिए 1 7ेडिट हो सकता है,मुयांकन C1, C2 और C3 हमेशा तीन घटक+ को एक साथ 2यान म5 रखते ,ए कया जाएगा।हालांक कोई भी िडगत 7ेडिट L, T और P के लिए कोर करने योग्य नहव होगा,जिस छमाही म5 छाB है उससे संबंधित फैकटी को अपनी कAा के पहले सहोह के दौरान घोषित करना होगा। जैसा क अनुच्छेद क म5 विवृत है
		प&रणाम के संकलन और काशन के लिए ाHांक / Xेड के बाद AAA विभाग म5 तुत कया जाएगा। दन+ क भीतर सबिधत विभाग मख / एफसी को अपील कर सकता ह, जिसक पठ्यात

18 मुयांकन -समय और Xदनांक, थान

क.शैAणिक कैल5डर के मा2यम से मुयांकन क सामात्य

अविध शैAणिक अधिकाता / AAA ख.C1 मुयांकन क तारीख5, समय और थान, निधा &रत समय काय 7म के

अनुसार, फैकटी विभाग के काया लय (ारा अिXम म5 घोषित क जाएगी।पा07म (J) म5 से)येक के मूयांकन के िलए तारीख, जबक, बाद म5 अलग से संिषित क जाएंगी।सदय (J) ज+ संबंधित पा07म+ के िलए अ2यापन करते है, उनके (ारा घोषित कए

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vllk/kj.k 155

		ग.C3 मूयांकन ितिथ, समय और थान AAA अनुभाग (ारा घोषित कया जाएगा और उसे घ.संबंधित संकाय सदय (न+) (ारा िनधा &रत 1 पB परीAा क तारीख से पहले िनयदा ितिथ ड.C1, C2 (समीAा टेट / म2य छमाही) और C3 (छमाही अंतिम परीAा) क जाँच क गई च.हताAR लेने के प्तातफैकटी (ारा संबंधित छाB+ को उर्पुतिकास पे जाएंगे, हालांक जाएंगे। और मेक अप / पूरक परीAाJ के िलए भी। तथापि, ितिथय+ को ईमेल (ारा कम से कम तीन दन पहले AAA विभाग म5 भेजा जाना चाहिेताक परीAा क ितयां अिXम LP से फैकटी सदय को दान क जा सक5। C2 का मूयांकन संथान के िनण य के आधार पर क5सीकृत तरीके या फैकटीसदय (ारा कया जाएगा।क5सीकृत तरीके से आयोजित कया जाएगा।इस संबंध म5 समय सूचि पB को अिXम घोषित कया जाएगा।पा07म को पूरा करने के िलए छाB को C2 और C3 म5 उपिथत होना चाहिे। के अदर परीAा कोK को तुत कया जाएगा।परीAा कोK पया H संय्या म5 1पB+ को ाूटी कम चारी को सप देगा, जो परीAाथय+ को िवत&रत कर5गे।इसी कार मूयांकन समयाविध के अंत म5, ाूटी पर मौजूद िन&रण कम चारी उर्पुतिकाJ को एकिBत कर उह5 परीAा कोK को सप द5गे।उसी समय,परीAा कोK उर्पुतिकाJसंबंधित फैकटी सदय को सप द5गे।उर्पुतिकाJ को, संबंधित छाB को दखाए जाने केबाद संबंधित फैकटी सदय (J) को Xेड के साथ िनधा &रत समयाविध के भीतर, िविधवत हताA&रत करके, AAA विभाग को सप द5गे।सभी छाB+ को संबंधित उर्पुतिकाJ को देखाये जाने संबंधित उनके हताAR+ के रिजटर क ित भी AAA विभाग को सप दी जाएगी।यद छाB मूयांकन समाH होने के पाँच दन+ के भीतर अपनी जाँच क गई उर्पुतिका को देखने के िलए नहव आता है, यह समझा जाएगा क उसक उर्पुतिका देखने म5 कोई Lचि नहव हैऔर संबंधित फैकटी सदय (ारा दए गए अंक+ को अंतिम माना जाएगा। इसके बाद कोई अपील सुनी नहव जाएगी। उन छाB+ क उर्पुतिकाJ, दखाए जान क बाद भी,उनस सबिधत मयाकन क िवG अपनी िशकायत jD क, सबिधत फकटी सदय+ (ारा भारी अधिकारी (ओआईसी),
	और आयासपूटोर यल	छ.केवल कोई भी छाB विभाग मुख / एफसीके िलए अपील करता है ऐसे िथित म5, तब उसक क.संबंधित फैकटी सदय अपने वयंके मूयांकन तंB को अपनाने के िलए वतंB ह+गे, परंतु ख.मूयांकन तंB/पGित छाB+ के उन वग के िलए एक समान होगा, भले ही छाB एक या अधिक परीAा को सप दया जाएगा।ित उसक अपील के अंतिम िनपटान तक रखी जाएगी।इसे पं LP से और)येक छाB (J) को संबंधित पा07म के िलए कAां शुL होने के पहले सHाह के दौरान सूचित कया जाना चाहिे।

19 मूयांकनस= ग.अपील के िथित म5, संबंिधित फैकटी सदय उसके ारा अपनाई गई मूयांकन पGित का घ.जैसी थित हो, C1 और C2 मूयांकन ाHांक, हालांक, L, T & P म5 और मूयांकन के वगY म5 वेिशित ह+।बचाव करने के िलए उरदायी होगा।िविभा तंB कसी भी छाB ारा ाH अंक+ का कुल योग होगा।

20	का मूयांकनपरयो जना	ड.C3 छमाही अत क jापक परीAा ह, िजसम पर पाO7म को समावि कया जाता ह और क.अनुछेद 'क' – कप मूयांकन तंB म5 िवतार से C1, C2 और C3 घटक+ के िलए संबंिधित ख.C1 और C2 मूयांकन 7मश: 20 और 40 अंक+ के िलए पय वेAक (J) ारा कया जाएगा।ग.C3 का मूयांकन दो jिDय+ क एक सिमित ारा कया जाएगा, अथा त् बाहरी िवषय इसे दो भाग+ म5 िलया जा सकता है, जैसा क अनुछेद 'क' के आइटम नंबर 14 म5 िवतृत है, परंतु ाथिमकतानुसार घोषित कया जाएगा।समयाविध म5 कसी भी अथ पाO7म क तरह ही कया जाएगा। िवशेष?, िनदेशक ारा नामित, पय वेAक के साथ (प&रयोजना पय वेAक के LP म5 िवभागमुख/ एफसी के िथित म5, शैAणिक अधKाता / िनदेशक नामित कया जाएगा) । इस योजन के िलए, संथान के कसी अथ िवभाग के िवशेष? को बाहरी िवशेष? के LP म5 भी माना जा सकता ह, यद वह इन कायY क िलए जाना जात ह और उD कायम पहल स जड नहv ह। C3 मयाकन कवल 40 गण+ क िलए होगा, माBजसा क अनछेद 'क'क आइटम
21	इटनिशप का व-अ ययन म)याकन ऐाछक	एक ही C1, C2 और C3 पटनम िलए जान क िसफा&रश करन वाल फकटी ारा व अ2ययन ऐाछक पाO7म का मूयांकन कया जाएगा।इंटन िशप मूयांकन संबंिधित औिंगक / संथागत परामश दाता, िजनके तहत इंटन िशप क जा रही ह, उनक ारा क जाएगी। इस िलए उह C1 और C2 क िलए अक जमा करन ह+ग,जबक C3 मयाकन क िलए, छाB को ोज ट &रपोटजसी &रपोटतयार करनी होगीऔर एक
22 23	म)याकन घोषणा, *ेड परणाम क2 ितिलिप/ तैयारी, शीट,	प&रयोजना मयाकन बोडक तरह एक बोडस पहल इसका)यूर दना होगा। वही बोडC3 मूयांकन के िलए अंक+ का आवंटन करेगा। सभी अंक+ को िवभाग मुख काया लय / एफसी ारा समिवत कया जाएगा और AAAिवभाग म5 भेजा जाएगा।क.)येक घटक के बाद कोर कए गए अंक संबंिधित फैकटी ारा AAA िवभाग को ख.सीसीएलसीए अ2यादेश म5 िवतृत LP से)येक घटक अविध के अंत म5 AAA िवभाग म5 िन;िलिखत अनुसूची के अनुसार ेषितकए जाएंगे - सी 1 के िलए छमाही क शुआत क तारीख से 9 व5 सHाह से पहले, सी 2 के िलए 17 व5 सHाह से पहले और सी 3 के ारा 19 व5 सHाह से पहले और 21 व5 सHाह से पहले, जहां मेकअप / पूरक परीAा का अवसर कुछ छाB+ ारा लाभ उठाया जा रहा है। इन समयसीमा म5 कमी होने पर, िनदेशक, भा.सू.ौ.स.एम के पास ाHांक जमा करने ह+गे।)येक वेिशित छाB के)येक घटक के ाHांक+ को संिषित करने के िलए संबंिधित फैकटी के

आखद ग.जैसी भी िथित हो, एआरए / डीआर / जेआर (एएए) िवभाग क मुहर और हताAR के तहत घ.छमाही अंतिम Xेड शीट म5 ाँड पाO7म+ कोपा Lप सेउलेखित कए गए पाO7म से साथ AAA िवभाग (ारा छमाही प&रणाम संकलन और घोषणा क जाएगी।छमाही अंतिम Xेड शीट AAA िवभाग (ारा जारी क जाएगी। इस संबंध म5 वही एकमाB वैध दतावेज होगा।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 157

		ड.छठे सेमेटर के अंत तक एक अंतिम संचयी Xेड शीट, छाB+ (ारा िशाण और जलेसम5ट च.जैसी भी िथित हो, एआरए / डीआर / जेआर (एएए) िवभाग क मुहर और हताAR के तहत छ.)यक छाB (ारा ाH C1, C2 और C3 अक+ को एक बार कयटर म दजकया जाता ह, दशा या जाएगा।गितिविधय+ म5 सहभांगिता क सुविधा के उपभोग के िलए, अनुरोध और अपेिAत शुक्र केभुगतान पर जारी कया जाएगा। जैसी भी िथित हो, एआरए / डीआर / जेआर (एएए) िवभाग क मुहर और हताAR के तहत छमाही अंतिम Xेड शीट AAA िवभाग (ारा जारी कजाएगी। इस संबंध म5 वही एकमाB वैध दतावेज होगा।समेकत आधका&रक^ांि7]ट पाO7म के यशवी समापन के बाद या एक "बाहर िनकल5" िवकप के Lप म5 जारी कया जाएगा (जैसा क संधान के बी. टेक. िडXी के िलए अनुछेद 'क' म उलिखत ह)।इस सबध म वही एकमाB वध दतावज होगा।
24	*े+डग sित परभाषा, आखद।और	क.संधान 10 तर+ अधकारी (ारा "यादिछक मनअल ण करता ह, िजसम5 10 पग.पाO7म Xड जवाइट pधउनक हताAR क साथ उ@तमक Lप म जारी कया II. I.वही AAA िवभाग "प&रणाम" र &रल&टव Xtडग जाएगा।रए / डीआर / जआर "सकिलत" कया जातब िसटम का अनसरगा, और अत म क जो भी&रAण" क बाद सबस व&रK उपलकोर AAA िवभाग क एआ कयटर (ारा है। स अक ाH करन स ह(ारा अपनाए C1 का ता)पय20 गए मयाकन क पGितिड मC2 का ता)पय30 स (जीपीआई) इस कार है; मिवशेष फैकटी वग स अक ाH करन स ह का दश न

औसत से कम संतोषजनक उद्गीर्ण सी डी पी

8 7 6 5

--	--	--	--	--

घ.कसी छाB को उस पाO7म क आव:यकताJ को सफलतापूर्व क पूरा करने के िलए और पाO7म पूरा करने के िलए छाB को C2 और C3 म5 उपिथत होना चािहए।Xेड और जीपीआई क ये गणना एक बड़े वग के िलए लागू ह=उस पाO7म म5 7ेडिट अरजत करने के िलए 5 का fयूनतम जीपीआई ाH करना होता है।=C1_i + C2_i + C3_i i-thके िलए छाB और n= परीAा म5 कुल उपिथत छाB+ क संeया

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 159



		ड.उस अविध के दौरान जब छाB C3 घटक को सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर सका और मेकअप / च.छमाही Xेड Jवाइंट इंडे स (SGPI) इस कार प&रकिलत है:यद वह ऐसा करने म5 विफल रहता है, तो उसे उस विशेष पाO7म म5 ऑप वीकार करना होगा और इसे बाद म5 (उसी या समकA पाO7म म5) पंजीकृत करना होगा। पूरक परीAा म5 उपिथत होना अभी बाक है, छाB को "I" Xेड से स0मानित नहीं किया जाएगा, यह दशा ता है क उD पाO7म एक 'अपूर्ण' पाO7म है। छ.एक छाB को jिDगत LP से, 'माही म5 सफलतापूर्वक पूरा किए गए पाO7म+ के साथ, ज.पूरक पाO7म केवल जीपीआई के पुरकार के लिए अह ता ाH करेगा।झ.पूरक पाO7म को छमाही Xेड Jवाइंट इंडे स (SGPI) या संचयी Xेड Jवाइंट इंडे सञ.संचयी Xेड Jवाइंट इंडे स(सीजीपीआई) क गणना नि;नुसार क जाती है।येक छमाही म5 5.00 का एसजीपीआई ाH करना होगा, इसम5 असफल होने पर वह वेछा से 5 के एसजीपीआई को सुनिश्चित करने के लिए कुछ पाO7म+ को छोड़ देगा। (CGPI) क गणना के लिए नहीं माना जाएगा। ट.डिXी Xेड Jवाइंट इंडे स (डीजीपीआई)क गणना नि;नुसार क जाती है ठ.जब कोई छाB 8.50 या उससे अधिक के डीजीपीआई कोर करता है, तो वह "डिट शन" के ड.ाHांक के समकA तितशतक गणना नि;नुसार क जाती है।एक विशेष पाO7म के लिए - जीपीआई x 10 II.एसजीपीआईके लिए - एसजीपीआई X 10 साथ डिXी ाH करने के लिए पाB होगा।
	डि*ी क2	पछताछ के बाद आत होने पर,सीनेट सथान (ारा दान क गई किसी भी अय माण पB के III.सीजीपीआईके लिए - सीजीपीआई X 10 IV.डीजीपीआईके लिए - डीजीपीआई X 10

25 26 डिडालोमा / वापसी /माणन डिडXी / डिडलोमा को वापस लेने का संकल्प ले सकता है। हालांकि, सीनेट (ारा इस तरह के निणय कसमीAा के लिए, संधान के संचालक मंडल को निश्चया)मक कारण+ उद्धृत करते,ए अपील कर सकते हैं।इस मामले के लिए (ऊपर) समिति नहीं कये गये है या अ)यांशित

परिचित्य के लिए, लेकिन उपरोक्त अध्यादेश के कार्यान्वयन के दौरान उपलब्ध हो रहा है, अध्यास सीनेट को कठनाई को दूर

--	--	--

Indian Institutes of Information Technology (Public-private Partnership) Act, 2017 (23 of 2017), the Senate with the approval of the Board of Governors, make the following Ordinances of Indian Institute of Information Technology, Kalyani.

का अधिकार को दूर करने कठनाई

S.O. 3814(E).—In exercise of the powers conferred by section 33 read with section 34 (1) (2) and (3) of the Act, the Senate hereby makes the following Ordinances for the purpose of the Act, which shall be in force from the date of their publication in the Official Gazette. The Senate shall be in force from the date of their publication in the Official Gazette.

New Delhi, the 23rd October, 2019 **NOTIFICATION**

सुखबीर सिंह, अपर सिचव (त.शि.) [फा. सं. 52-2/2017-टीएस.1]

The present Ordinance applicable to B.Tech. Degree Programs offered at IIIT Kalyani has two sections as follows:

Section A: Pertaining to Credit Based Continuous Assessment and Award (CCLCAA) Ordinance

Section B: Pertaining to Admissions, Program Layout and Examinations (APE) Ordinance

(Note – Both Sections contain few definitions in the beginning, which have been used in both the sections to imply similarly, until and unless specifically stated otherwise)

SECTION A

Choice & Credit Linked Continuous Assessment and Award(CCLCAA) Ordinance(for B.Tech. Degree Programs offered at IIIT Kalyani)

1	Background	The IIIT (PPP) Act 2017 provides for as follows: 19. (1) Subject to the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances, the Senate shall be the principal academic body of the Institute and shall have the power to enact, amend or modify the Ordinances governing academic matters and the affairs and well-being of students. (2) (c) to recommend to the Board about starting of new programmes or courses of study; (d) to specify the broad academic content of programmes and courses of study and undertake modifications therein; (e) to specify the academic calendar and approve grant of degrees, diplomas and other academic distinctions or titles; (f) to appoint examiners, moderators, tabulators and such other personnel for different examinations; (g) to recognise diplomas and degrees of Universities and other Institutes and to determine equivalence with the diplomas and degrees of the Institute; 33. Subject to the provisions of this Act and the Statutes, the Ordinances of every Institute may provide for all or any of the following matters, namely:— (a) the admission of the students to the Institute; (b) the courses of study to be laid down for all degrees and diplomas of the Institute; (c) the conditions under which students shall be admitted to the degree or diploma courses and to the examinations of the Institute, and shall be eligible for degrees and diplomas; (d) the conditions of award of the fellowships, scholarships, exhibitions, medals and prizes; (e) the conditions and mode of appointment and duties of examining bodies, examiners and moderators; (f) the conduct of examinations; (g) the maintenance of discipline among the students of the Institute; and (h) any other matter which by this Act or the Statutes is to be or may be provided for by the Ordinances.
---	------------	---

1Hkx II[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 161

		B.Tech.Programs of the Institute; 2) To set up a mechanism for continuous assessment based award of Degree / Diploma / Certificate, etc. to the admitted student of B. Tech, subject to the successful completion of Credits by the student(s) as specified thereto.
2.	Ordinance Name	This Ordinance shall be called the Credit Based Continuous Assessment and Award Ordinance (CCLCAA Ordinance) for B. Tech. Degree Programs of IIIT, Kalvani
3.	Ordinance Number	2019/B.Tech./CCLCAA/01
4.	Ordinance New / Revision/Amendment IF A REVISION, Then OLD	N/A
5.	Definitions	For the purpose of this Ordinance, definitions as follow shall apply: 1) "Degree" shall refer to the B.Tech. Degree Program. 2) "Course" shall refer to such Course(s) for which a student shall earn Credits after due assessment as per the laid provisions. Each Course shall comprise of Lectures, Tutorials and Practical Sessions. A Course may have either or all the three Components. Project is also treated as a Course. 3) "Component" shall refer to academic activities as Lecture (Physical Lecture Session), Tutorial (Participatory Discussion / Self Study / Desk Work / Quiz/ Seminar Presentation, etc. activities that make the student absorb & assimilate, the delivered contents effectively) and Practical / Practice sessions (includes hands on experience / lab experiments/ Field Studies/ Case Studies etc. activities that enable the student to acquire the requisite skill). 4) "Continuous Assessment" shall refer to the evaluation of the student spread over the entire semester on the various constituent components of the prescribed course. 5) "Semester" shall refer to a period covering the three component periods viz. C1, C2 and C3, including the MAKE UP/Supplementary Exams period. A semester would generally be spread over twenty weeks. 6) "Course Drop" shall refer to a student having to undertake a repeat of the Course(s) not being able to complete the Credit requirements of the Course(s), under the conditions stipulated in the Ordinance. 7) "Make Up/Supplementary Exam" shall refer to the examination(s) conducted to allow the student to appear in the uncleared /underscored Sem - End C3 component, with a view to accord him an additional opportunity to improve upon his previous score. 8) "Blank Semester" shall refer to a Semester in which a student either does not register for any course at the beginning of the Semester OR chooses to DROP all courses OR is so compelled to DROP all the courses, as the case may be. 9) "Spill Over Semester" shall refer to the additional semester(s) beyond the completion of prescribed normal semesters. 10) "Add On Courses" shall refer to the Courses taken in addition to the regular prescribed courses for the completion of the normal degree, with a view to acquire added proficiency. These courses may be undertaken during and along with the routine semester courses OR additionally during the spill over Semester(s) i.e. upon extra time expenditure. 11) "AAA Section" shall refer to the Admissions, Assessment and Award Section of the Institute. 12) "Equivalent Course" shall refer to a course, which is projected as having the course component with fairly large amount of commonality with the mapped earlier course. 13) "Attendance" refers to the Physical personal presence in an academic activity session. 14) "Summer Semester" refers to a Semester that is decided to be held during the intervening period of Even and Odd Semester (i.e. Summer Vacations period). It is at the discretion of the Department concerned and is NOT an essentiality. 17) In this document, he / him / his / himself etc. are treated to be referring to a student / Faculty Member, without any Gender bias.

6.	Preamble	This ordinance is an articulation of the Institute's commitment towards the need of a 'continuous assessment' of its enrolled students, with a view that it enables student(s) to maintain the continuity in learning process, which eases them of the anxiety that unnecessarily peaks up during the Mid and End semester examination because otherwise the assessment process is predominantly such examination based. The proposed framework makes available honourable exit option if a student fails to complete the requirements to																								
7.	Date of Implementation	The Ordinance shall come into effect from the date as may be decided by the Senate of the Institute or by the Director. Accordingly, the prior Ordinance to this effect / piecemeal policies / practices in vogue at the Institute so far, on the subject / related issues, shall stand superseded w.e.f. such date.																								
8.	For Whom	The Ordinance is meant for all Undergraduate Students admitted in various B.Tech. Programs at IIIT Kalyani w.e.f. Date 2010 and onwards.																								
9.	Assessment Mechanism	Continuous assessment takes into account all academic activities undertaken by the student during the current said academic semester, in which a student is enrolled. This entails activities ensuring continuous assessments such as conduct of Review Test(s), Quizzes, Tutorials, Assignments, Practical's, Surprise Tests, Project Work, Term Work, Seminars, Discussions, etc.																								
10.	When Assessed	While the Review Tests would be held during the Semester at the end of said two component C1(average or best of C1a & C1b) & C2 periods respectively, C3 the End Semester Exams shall be scheduled by the AAA Section of the Institute, respective Faculty Member(s) shall declare the schedule of Quiz, Tutorials, Assignments, Seminars, discussions, etc. Some of the components may also however take place in an unscheduled manner like Surprise Tests. However, students shall be made aware of the assessment																								
		Review Test : One per Component Tutorials/ Seminars / Discussions: As may be decided by the Faculty I/C of the Course																								
11.	How many times assessed	Practice / Practical's: At the end of each Practice / Practical Session Quiz :As may be decided by the Faculty I/C of the Course Assignments: As may be decided by the Faculty I/C of the Course																								
12.	Attendance	a) At least 75 % attendance is compulsory in every course individually, for being evaluated in a Semester / Summer Semester. b) Attendance is compulsory in the C3 Semester End Examination or MAKE UP/Supplementary Examination, as the case may be. c) Shortage Report only shall be sent by the respective Faculty Member to AAA Section. If it is NIL, a NIL report shall be required to be sent. No report shall be treated as a NIL report. Note - 25% relaxation in attendance includes absence for whatever reasons, including Medical Reasons, Social obligations, Participating/Representing in Sports and/or Cultural events, Placement Activities, etc. All absence shall however be under expressed intimation to the respective FC/HoD for academic purposes and Hostel Warden for Hostel purposes. FC/Office of HoD shall in turn keep the AAA section informed accordingly.																								
13.	Types of Assessment	<table><tr><td colspan="4">Overall Assessment</td></tr><tr><td></td><td colspan="2">Formative Assessment</td><td>Summative Assessment</td></tr><tr><td></td><td colspan="2">(During the Semester)</td><td>(At the Semester End)</td></tr><tr><td></td><td>C1 [C1a C1b]</td><td>C2</td><td>C3</td></tr><tr><td>Weightage</td><td>(20%)</td><td>(30%)</td><td>(50%)</td></tr><tr><td>Duration</td><td>4th -5thWk 12th – 13thWk</td><td>8th – 9thWk</td><td>16th -18 Wk</td></tr></table> (The semester duration is kept flexible to ensure completion of minimum working days equivalent to that of Sixteen Weeks of a semester i.e. 80 + 5 days and weightage may be	Overall Assessment					Formative Assessment		Summative Assessment		(During the Semester)		(At the Semester End)		C1 [C1a C1b]	C2	C3	Weightage	(20%)	(30%)	(50%)	Duration	4 th -5 th Wk 12 th – 13 th Wk	8 th – 9 th Wk	16 th -18 Wk
Overall Assessment																										
	Formative Assessment		Summative Assessment																							
	(During the Semester)		(At the Semester End)																							
	C1 [C1a C1b]	C2	C3																							
Weightage	(20%)	(30%)	(50%)																							
Duration	4 th -5 th Wk 12 th – 13 th Wk	8 th – 9 th Wk	16 th -18 Wk																							
14.	Individual Percentage Weight of each Component of	Component 1 (C1)= 20%(C1 will be the average or best of C1a & C1b. C1a & C1b to be completed within 4 th – 5 th wks and 12 th – 13 th Wk of the Semester) Component 2 (C2)= 30% (To be completed during 8 th to 9 th Wks)																								

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 163

	Assessment	Assignments, MID semester, scheduled towards the end of the Component period, etc, as per the discretion of the Faculty In Charge of the respective Course. Component 3 (C3)=50% (to comprise of End Semester Examination and to happen during 15 th to 18 th Week of the Semester)
--	-------------------	---

15.	Project Assessment Components	A Project is also treated as a Special Course, with it being evaluated through Components C1, C2and C3, where: C1 (20%) focuses on research contribution in the project. It refers to assessment on Problem identification & Definition, Literature Survey, Defending the methodology to be adopted for the Project, etc. C2 (40%) refers to the assessment on the continuous progress, planning, development, and implementation, together with the preparation of a draft report including results, discussion, etc. C3 (40%) refers to assessment in two parts, based upon Final Presentation, Demonstration / Defence/viva. Part1 (20%) of the evaluation comprises of the Project Report/Thesis Evaluation and Final presentation whereas, while the Part 2(20%) of the assessment															
16.	When will the Assessment Outcome be known	C3 / End Semester : At the end of the semester MID Semester: Within three weeks after the conduct of the test. Tutorials/Seminars / Discussions/Presentations: Within a week after the activity is completed. Practice Sessions / Practical's: At the end of the Practical Session.															
17.	Overall Assessment How & When	Total assessment shall be the Sum Total / weighted outcome of the various components, subject to relative Scaling and revealed through an expressed statement of Grades / Equivalent Percentage, as stated on the Grade Sheet, in a Scale of 10, duly signed by a competent officer of the AAA Section of the Institute. The Grade Sheet shall be issued															
18.	Credit Based Certification Scheme	The Ordinance provides for award of a suitable Certification based upon the credits actually earned by the Enrolled Student. Any kind of Certification shall however be possible only after the student has completed the normal duration of the Degree Program that is the eight consecutive semesters from the date of admission (without counting the Summer Semester even if such a semester is offered /availed). Thereafter, Certifications as follows shall be considered for award: <table><tr><th>SL. No.</th><th>Certification Name</th><th>NORMAL Course Duration</th><th>MaximalΔ Course Duration</th><th>Credit Requirement</th></tr><tr><td>1.</td><td>B.Tech. Degree</td><td>Four Years (8 Semesters)</td><td>6 Years (12 Semesters)</td><td>A minimum of 160</td></tr><tr><td>2.</td><td>Certification* of the Credits earned</td><td>4 Years (8 Semesters)</td><td>6 Years (12 Semesters)</td><td>159 or less</td></tr></table> *Honourable Exit Option only; i. with NO Direct or Lateral Entry Admission Provisions. Once exited, no resumption is possible, except through a fresh admission in B.Tech. Degree Program through open admission. ii. Subject to the completion of the normal Course Duration, a student can also voluntarily opt for availing of the Exit option, by making an expressed request to this effect to the AAA Section. Such request, once accepted, shall be irreversible. In such a case however, the student shall have to ensure that fees for all the Eight semesters is duly paid and cleared, before making such a request. iii. Such Certification, as applicable shall be awarded at the routine Convocation of the Institute. iv. Years are countable from the date of his/her admission into the B.Tech. Degree Program. v. Maximal Course Duration as indicated above, includes time spent on all provisions like MAKE UP/Supplementary Exams, DROP Course(s), Blank Semester(s), singularly or in conjunction. It also includes the Summer Semester(s) etc. as may	SL. No.	Certification Name	NORMAL Course Duration	MaximalΔ Course Duration	Credit Requirement	1.	B.Tech. Degree	Four Years (8 Semesters)	6 Years (12 Semesters)	A minimum of 160	2.	Certification* of the Credits earned	4 Years (8 Semesters)	6 Years (12 Semesters)	159 or less
SL. No.	Certification Name	NORMAL Course Duration	MaximalΔ Course Duration	Credit Requirement													
1.	B.Tech. Degree	Four Years (8 Semesters)	6 Years (12 Semesters)	A minimum of 160													
2.	Certification* of the Credits earned	4 Years (8 Semesters)	6 Years (12 Semesters)	159 or less													
		Δ Refers to the time period where after the B.Tech. Degree Program automatically stands terminated, leading to the award of the Certification corresponding to the Credits earned during the period															
19.	Provision of Degree with "Distinction"	A bonafide student, eligible for award of B.Tech. Degree as per the above Credit Based Certification Scheme, shall, upon securing a Degree Grade Point Index (DGPI) of 8.50 or above, be eligible for getting a B.Tech. "Degree with Distinction". Note - DGPI of 8.491 is NOT roundable to 8.50, BUT 8.495 & above are roundable to															

20.	"Make UP/Supplementary" Examinations	a) To happen during the 18th to 20th Week of the Semester. b) A Provision primarily for such Student(s) who for some reason secures less than 30% Marks in C3 or 'F' grade on disciplinary ground. ALTERNATIVELY, a student, with prior expressed permission from the Course Faculty) under medical ground or other valid reason) and under intimation to AAA Section, may solicit an exemption from appearing in C3 and appear directly in the MAKE UP/Supplementary Examination. MAKE UP/Supplementary examination cannot however be viewed as an opportunity to improve upon the earlier granted opportunity. Whenever a candidate avails himself of the MAKE UP/Supplementary opportunity, the marks scored in MAKE UP/Supplementary Exams shall be considered for final Grade Calculation. However, the students with less than 30% Marks in C3 or 'F' grade on disciplinary ground, the
21.	DROP in a Course - How, When, Way out	a) In a particular Course, if the student secure fail grade 'F' in the overall assessment, then the student is deemed to have dropped in that particular Course. b) In a particular Course, if the attendance is less than 75%, or beyond allowed relaxation, then the concerned student is deemed to have dropped in that particular Course. c) Whenever a candidate opts for Blank Semester(s) / DROP in a course(s), or is so compelled as per the provisions of this ordinance, s/he shall have to study the prevailing Course(s) / Prevailing Equivalent Course(s) offered by the department as per the prevailing scheme, when the student continues his/her study. Equivalent Course(s) shall be recommended by the respective department HoD/FC for the consideration and approval of the Institute Senate, a priori, together with the course content of both - the earlier course as well as the new proposed equivalent course. d) A student may voluntarily choose to "DROP", one or more courses to match his speed of learning. e) A student may have to essentially DROP in one or more course(s), in case his/her SGPI falls below 5.00 considering the courses in the Semester which s/he has successfully completed. Note - A DROP in a course would require a complete repeat of the Course, in all its
22.	"ADD ON" - Credits & Certifications Contd.	1) In addition to the 160 Credits that a student is required to be enrolled in, a student could additionally enrol himself in few Credit Courses as per below, so as to earn ADD ON Credits: a) B. Tech - Additionally, a minimum of 16 Credits can be earned as ADD On Credits. b) If ALL the 16 ADD ON Credits are earned from the Department of the initial Degree enrolment, the student would get the B. Tech. Degree with Honours (Splsn in xxxxx). All departments would define one or more such specializations and the courses for each such specialization, a priori. c) If the 16 ADD ON Credits are earned from any one of the particular Sister Department of the initial Degree enrolment from interdisciplinary program, the student would get the B. Tech. Degree with Honours (Minor in xxxxx). All departments would define one or more such specializations and the courses for each such Minor, a priori. d) In addition to the Regular Degree an "ADD on Diploma" shall be awarded, if the 16 ADD ON Credits are earned from an assortment of Departments. e) If less than 16 Add-ON credits are earned then Add-ON Certification for xxxx credits) would be issued.

¹Hkxx Iµ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 165

		when it is for an Internship. 4) The ADD ON Internship and Self Study Elective(s), also follow C1, C2 and C3 pattern of assessment.
23.	Supplementary Exam / Back Paper Exam Provisions	None. In conditions as stated at Sl. No. 20 above, the student has to drop the particular course and re-register in the following semester, subject to availability and as per the then prevailing Course(s). In the case of Elective Courses(s), the student may opt to change the elective, which is allowed.

24.	Spill Over Semesters	A student can opt to choose, either to move at the prescribed pace of learning or set his own pace of learning, at a slower pace, by utilising the benefit of SPILL OVER Semesters, as per below: a) SPILL OVER Semester(s) provide for completion of re-registered Courses / ADD ON Courses. b) Additional Semesters 9th to 12th shall be available as SPILL OVER Semesters. c) For being enrolled in these Semesters additional fees shall be required to be paid, BUT the same shall be in proportion to the Credit Hours Enrolled for, in that particular Semester. d) Additionally, the students wanting to take ADD ON Courses may utilise these Spill Over Semesters to earn extra Credits over and above the regular Degree.
25.	Summer Semester	a) Is generally half the duration of a normal semester, yet the Credit Hours requirements shall be satisfied, as the candidate can register for only a maximum of half the normal Credits. b) Offered ONLY at the discretion of the Department concerned, if the number of dropped students in a particular class is less than 10% of the class size (calculated taking all sections of a class together). c) Offered NECESSARILY for those courses in which, more than 10% of a class opts for a DROP in that Course or is so compelled to DROP by virtue of the Ordinances in force. d) Is NOT meant for fresh registrants in any Course. e) DROP cases of past semesters can also seek enrolment, by utilising it as a SPILL OVER Semester. f) Cannot be used for ADD ON Course(s) EXCEPT if the ADD ON Course is because of internship only. g) Attendance criterion shall apply as applicable to other Normal Semester. h) A Maximum of 12 Credit worth dropped Courses can ONLY be registered during the Summer Semester.
26.	Blank Semester	Whenever availed of, s/he cannot register for any Credit(s), towards the requisite 160 Credits required for award of the B. Tech. Degree. S/he may however be permitted to undergo an Internship / Self study Elective(s) STRICTLY for ADD On credit only.
27.	Ranks, Medals, etc.	Only such students, who complete the 160 Credits in the first 8 successive Semesters with CGPA above 8.35 and no disciplinary action recorded, shall be eligible to receive Ranks / Medals / Distinction / Honours etc and be eligible for government funded/ institute sponsored student fellowships / scholarships / research fellowships etc.
28.	Power to remove the difficulties	For the matter(s) NOT covered herein above or for unforeseen circumstances, but arising during the course of the implementation of the above Ordinance, the Chairman Senate shall be authorised to remove the difficulties and decide upon the matters. The same shall be reported in the next meeting of the Senate for its consideration.

SECTION B

**Ordinance for Admissions, Program Layout and Examinations (APE) for B.Tech. Degree Programs
Offered at IIIT Kalyani**

1.	Background	The IIIT (PPP) Act 2017 provides for as follows: 19. (1) Subject to the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances, the Senate shall be the principal academic body of the Institute and shall have the power to enact, amend or modify the Ordinances governing academic matters and the affairs and well-being of students.
----	-------------------	--

		(d) to specify the broad academic content of programmes and courses of study and undertake modifications therein; (e) to specify the academic calendar and approve grant of degrees, diplomas and other academic distinctions or titles; (f) to appoint examiners, moderators, tabulators and such other personnel for different examinations; (g) to recognise diplomas and degrees of Universities and other Institutes and to determine equivalence with the diplomas and degrees of the Institute; 33. Subject to the provisions of this Act and the Statutes, the Ordinances of every Institute may provide for all or any of the following matters, namely:— (a) the admission of the students to the Institute; (b) the courses of study to be laid down for all degrees and diplomas of the Institute; (c) the conditions under which students shall be admitted to the degree or diploma courses and to the examinations of the Institute, and shall be eligible for degrees and diplomas; (d) the conditions of award of the fellowships, scholarships, exhibitions, medals and prizes; (e) the conditions and mode of appointment and duties of examining bodies, examiners and moderators; (f) the conduct of examinations; (g) the maintenance of discipline among the students of the Institute; and (h) any other matter which by this Act or the Statutes is to be or may be provided for by the Ordinances. These Ordinances are accordingly framed in exercise of the powers so vested in the Senate of the institute with the following aims : 1) To set up a mechanism for Continuous Assessment of the admitted student to the B.Tech. Programs of the Institute; 2) To set up a mechanism for continuous assessment based award of Degree / Diploma /
2.	Ordinance Name	This Ordinance shall be called the Ordinance for Admissions, Program layout and Examinations (Hereinafter referred to as Assessment) of the B.Tech. Degree Program students of IIIT Kalyani
3.	Ordinance Number	2018/B.Tech./APE/01
4.	New / Revision/ Amendment IF A REVISION, Then OLD Ordinance	N/A
5.	Definitions	For the purpose of this Ordinance, definitions as follow shall apply: 1) "Degree" shall refer to the B.Tech. Degree Program. 2) "Course" shall refer to such Course(s) for which a student shall earn Credits after due assessment as per the laid provisions. Each Course shall comprise of Lecture, Tutorial and Practical Sessions. A Course may have either or all the three Components. Project is also treated as a Course. 3) "Academic activities" comprise of activities like Lecture (Physical Lecture Session), Tutorial (participatory discussion / self Study / Desk Work / Quiz/ Seminar Presentation, etc. activities that make the student absorb& assimilate, the delivered contents effectively) and Practical / Practice sessions (includes hands on experience / lab experiments/ Field Studies/ Case Studies etc. activities that enable the student to acquire the requisite skill). 4) "Continuous Assessment" shall refer to the evaluation of the student spread over the entire semester on the various constituent components of the prescribed course. 5) "Semester" shall refer to a period covering the three component periods viz. C1, C2 and C3, including the MAKE UP/Supplementary Exams period. A semester would generally be spread over twenty weeks, except in case of "Summer Semester". Summer Semester is governed by the provisions as contained in the relevant section(s). 6) "Spill Over Semester" shall refer to the additional semester(s) beyond the

		added proficiency. These courses may be undertaken during and along with the routine semester courses OR additionally during the spillover Semester(s) i.e. upon extra time expenditure. 8) "AAA Section" shall refer to the Admissions, Assessment and Award Section of the Institute. 9) "GPI" refers to the Course Grade Point Index and is calculated as detailed in the Ordinance subsequently. 10) "SGPI" refers to the Semester Grade Point Index and is calculated as detailed in the Ordinance subsequently. 11) "CGPI" refers to the Cumulative Grade Point Index and is calculated as detailed in the Ordinance subsequently. 12) "DGPI" refers to the Degree Grade Point Index and is calculated as detailed in the Ordinance subsequently. 13) "Equivalent Percentage of Marks Scored" refers to the Equivalent Percentage of Marks Scored and is calculable as detailed in the Ordinance subsequently. 14) "Division" refers to the Division awarded to the student as per the mechanism detailed in the Ordinance subsequently. 15) "CCLCAA Ordinance" refers to the Choice and Credit Linked Continuous Assessment and Award Ordinance of IIIT Kalyani for B.Tech. Degree Programs of IIIT Kalyani and is in Section A of this document. 16) "HoD" refers to the Head of the respective Department, where the student is enrolled for his/her Branch of Study. 17) "EC" refers to the Faculty Coordinator.
6.	Date of Implementation	The Ordinance shall come into effect from the date as may be decided by the Senate of the Institute or by Director. Accordingly, the prior Ordinance to this effect / piecemeal policies / practices in vogue at the Institute so far, on the subject /related issues, shall stand superseded, w.e.f. such date.
7.	For Whom	The Ordinance is meant for all Undergraduate Students admitted in various B. Tech. Programs at IIIT Kalyani w.e.f. Batch 2019 and onwards.
8.	General B.Tech. Degree Program Layout	a) In general, the B. Tech. Degree Program shall comprise of Eight Semesters, spread over a period of Four Academic Years. Each academic year shall commence from July / August, with two Semesters starting in July / August (Odd Semester/Autumn Semester) and January (Even Semester/Spring Semester). b) In general the B. Tech. Degree program is a full time residential program, BUT students may be allowed to stay off campus upon explicit request by their respective guardians. Fees etc in such cases shall be governed by rules in such respect. c) First successive Eight Semesters PLUS the included Summer Semester(s), are referred to as Normal Semesters, and the subsequent ones as Spill Over Semesters. (Summer Semester for dropped Courses only). d) The medium of Instruction and assessment is English. e) Institute follows the Continuous Assessment pattern in lieu of the routinely practiced Pass/Fail type end semester based examination pattern. Continuous assessment pattern promotes a win-win situation for each student at his/her own pace and capability. The details are enshrined in the CCLCAA Ordinance of the Institute as in Section A. f) The B. Tech. Degree Program is maximally to be completed in Six Academic Years, after which the student shall have to be exited, as per the scheme enunciated in the CCLCAA Ordinance. g) In order to be conferred with the B. Tech. Degree, a student has to earn at-least 160 Credits, by enrolling himself in various Courses offered during a particular Semester. h) A student can enrol himself for a maximum of 24 Credits per Semester including the dropped Courses. Maximum credit limit may be increased subject to Director's approval. i) Each Student shall register for Core Courses in the respective Semester as prescribed

		permissible strength. The maximum enrolment strength shall be decided by the respective Department from time to time. j) Semesters and Credits Spread : <table><tr><th rowspan="2">Semester</th><th colspan="8">Normal Successive Semesters</th><th>Spill Over* Semesters</th></tr><tr><th>1st</th><th>2nd</th><th>3rd</th><th>4th</th><th>5th</th><th>6th</th><th>7th</th><th>8th</th><th>9th to 12th</th></tr><tr><td>Duration</td><td>July/ Aug- Dec</td><td>Jan - May/ June</td><td>July- Nov/ Dec</td><td>Jan - May/ June</td><td>July- Nov/ Dec</td><td>Jan - May/ June</td><td>July - Nov/ Dec</td><td>Jan - May/ June</td><td></td></tr><tr><td>Regular Credits</td><td colspan="8">As may be decided by the Department concerned</td><td>--</td></tr><tr><td>Maximum Cr that can be enrolled into (Including DROPPed Courses)</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td><td>24</td></tr></table> - A student can also opt for a Blank Semester, BUT the regular fees shall have to be paid during every Normal Semester including the Blank Semester. - Spill Over Semesters can also be utilised for Internship purposes / ADD ON Courses. **For dropped Courses only. k) In case a student can manage the completion of prescribed Credits of 7th Semester, utilising the benefit of registering upto a maximum of 24 Credits in other Semester(s), s/he could become eligible to formally opt for a BLANK 7th Semester. This would enable the student, to take up an internship in any reputed organisation / institution during the 7th semester and earn upto 4 Credits as ADD ON Credits only. Such a student may also be permitted to earn 4 more Credits as ADD ON Credits during such internship tenure, If AND ONLY IF, the department permits him to enroll for self study elective, thus totalling the ADD ON Credits to 8, in the 7th Semester. SELF STUDY Elective would be permissible along with such internship only. l) There are specific provisions for "Degree with Distinction", "Degree with Honours", "ADD on Diploma", etc, which are as elaborated in the CCLCAA Ordinance separately. m) A student MUST have a minimum of 75% attendance, in each Course separately, by the end of 16th week; else s/he is considered having dropped the course. In general, the Attendance Calculation shall be done by the 15th Week providing the benefit of attendance to all the students for the remaining period. (If by any chance, in extraordinary situations, the department / Faculty concerned, is unable to compute the attendance percentage of the student in any course, and the student continues to get evaluated, then also, the evaluation does not prevent the dropping of the Course, if at any stage the attendance Criteria is found to be breached). Special permission may be given by Senate/ Chairman Senate based on due consideration.	Semester	Normal Successive Semesters								Spill Over* Semesters	1st	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th	8th	9th to 12th	Duration	July/ Aug- Dec	Jan - May/ June	July- Nov/ Dec	Jan - May/ June	July- Nov/ Dec	Jan - May/ June	July - Nov/ Dec	Jan - May/ June		Regular Credits	As may be decided by the Department concerned								--	Maximum Cr that can be enrolled into (Including DROPPed Courses)	24	24	24	24	24	24	24	24	24
Semester	Normal Successive Semesters								Spill Over* Semesters																																										
	1st	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th	8th	9th to 12th																																										
Duration	July/ Aug- Dec	Jan - May/ June	July- Nov/ Dec	Jan - May/ June	July- Nov/ Dec	Jan - May/ June	July - Nov/ Dec	Jan - May/ June																																											
Regular Credits	As may be decided by the Department concerned								--																																										
Maximum Cr that can be enrolled into (Including DROPPed Courses)	24	24	24	24	24	24	24	24	24																																										
9.	General Layout of Course, Classification, Content Delivery	a) Content delivery of a Course in the B.Tech. Degree Program shall be through, either or all, of the following Methods: I. Lecture - refers to Lecture Session(s) through classroom contact session. Denoted by "L". II. Tutorial - refers to session(s) consisting of participatory discussion / self study / desk work / brief presentations by students along with such other novel methods that enable a student to efficiently & effectively absorb and assimilate the contents delivered in the lecture sessions. Denoted by "T"																																																	

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 169

		experience / Laboratory Experiments / Field Studies /Case Studies / Minor / Major Project, that equip the students to acquire the much required skill component. Denoted by "P". b) In Terms of Credits, every One hour session of L amounts to 1 Credit per semester and a minimum of two hour session of T amounts to 1 Credit per Semester and a minimum of one hour thirty minutes session of P amounts to 1 Credit per semester. c) One semester generally corresponds to a period of 20 Weeks for Teaching Learning and Assessment Process completion, including the MAKE UP/Supplementary Examination opportunity, in case one avails of. d) Each Semester shall have a predefined number of Courses and each Course having predefined Credits. e) Each Course shall have a predefined layout in terms of L - T - P, with separate integer Credits assigned to each of them. f) Course Classification - Any Course shall be classifiable as either of the following: Core Course / Elective Course/Special Course. g) Core Course is the one, which is compulsorily to be studied by the candidate. A Core Course may be termed as a Soft Core, if there is a choice or an option for the candidate to choose a course from a pool of courses from the main discipline / subject of study or from a sister / related discipline / subject which supports the main discipline / subject. In contrast to the term Soft Core, a compulsory Core Course is called a Hard Core Course. (i) Courses listed under "Soft Core", may also be treated as "Elective Course", for the purpose of them being changed, in case of DROP Course. (ii) In case of DROP of a Hard Core Course, same Hard Core Course has to be repeated or else, an Equivalent Hard Core Course has to be taken and passed into. (iii) In case of "Project", the Course "Project" is treated as "Hard Core". In case of a Project DROP however, the Project Title is treated as a "Soft Core" and therefore liable to be changed and done afresh on a new topic. h) Elective Course is generally the one which can be chosen from a pool of courses and which may be very specific or specialised or advanced or supportive to the discipline / subject of study one which provides an extended scope / exposure to some other discipline / subject / domain or nurtures the student's proficiency/ skill. An elective course chosen from an unrelated discipline / subject and could be generic in nature, with an intention to seek exposure is called an Open Elective. An elective course offered to acquire a special / advanced knowledge, such as supplement study / support study to a Project Work and a student studies such a course on his own with an advisory support by a Faculty, is called a Self Study Elective. i) A Course offered as a Core Course in one Program, may be treated as an Elective in another Program or vice versa. j) Project Work / Dissertation Work are referred to as Special Course, as it is a combination of Hard Core and Elective Course ("Project" itself being a 'Hard Core' while the topic being an 'Elective'). k) In case a student successfully completes more than 160 Credits by registering for extra Credits, then the electives in which the candidate has scored better grades would be considered for calculating DGPI at the end. The Credits earned in the excess electives shall be considered for the ADD ON Certification purposes. l) The minimum number of department electives that a student needs to be enrolled in, shall be prescribed by the department concerned. The rest of the electives could be chosen from the ones offered by same department or other departments / Units, including the Open Electives.
--	--	--

		would generally be allowed only to meet the specific needs of the Internship. Such electives shall follow the L-T-P Credit Ratio as 0:1:3. o) Internship shall be allowable in an Industry / Institution of repute, in India or abroad, with prior explicit approval of the respective HoD/FC, with prior expressed concurrence of a Faculty Member of the department in which the student is enrolled in. Internship shall follow the L:T:P Credit Ratio as 0:1:3. p) Project(s) may also be allowable to be done in Institutions / Industries of repute, in India or abroad, BUT with expressed prior permission of respective HoD/FC and under such intimation to AAA Section. Such project shall also have to be mentored by faculty member of the department. The same Faculty member shall have to accept to be the main guide for that particular student(s) AND the intellectual Property Rights, if any, emanating out of that work, shall be the joint property of IIIT Kalyani, the guide, the student and the respective Institution/Industry, on equal basis. q) Open Electives in Indian or Foreign Languages, shall be available to only those students who do not have the same language as their mother tongue. Also the language, for which the student has appeared in Class X or XII or equivalent exam, shall NOT be available to him as an Open Elective. Language based Open Electives																				
10	Internship Layout	a)May be for any of the following durations with corresponding Credits as shown below: <table border="1"> <thead> <tr> <th>Sl. No.</th> <th>Internship Duration</th> <th>Credits Assigned Under L-T-P Module</th> <th>Total Credits Assigned</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td> <td>25 to 30 Days</td> <td>0:0:1</td> <td>1 Cr</td> </tr> <tr> <td>2</td> <td>31 to 60 Days</td> <td>0:1:1</td> <td>2 Cr</td> </tr> <tr> <td>3</td> <td>61 to 100 Days</td> <td>0:1:2</td> <td>3 Cr</td> </tr> <tr> <td>4</td> <td>101 Days and Beyond</td> <td>0:1:3</td> <td>4 Cr</td> </tr> </tbody> </table> b)Internship can be undertaken ONLY upon prior expressed permission of the HoD/FC concerned and the application for the same must be copied to AAA Section for its intimation and insertion in the Software (if any). Application to this effect shall be required to be made at least 3 weeks before the commencement of the intended date of Internship. c)Provided that the HoD/FC is NOT convinced about the target industry / organisation / institution, the HoD/FC may also decline the permission by rejecting	Sl. No.	Internship Duration	Credits Assigned Under L-T-P Module	Total Credits Assigned	1	25 to 30 Days	0:0:1	1 Cr	2	31 to 60 Days	0:1:1	2 Cr	3	61 to 100 Days	0:1:2	3 Cr	4	101 Days and Beyond	0:1:3	4 Cr
Sl. No.	Internship Duration	Credits Assigned Under L-T-P Module	Total Credits Assigned																			
1	25 to 30 Days	0:0:1	1 Cr																			
2	31 to 60 Days	0:1:1	2 Cr																			
3	61 to 100 Days	0:1:2	3 Cr																			
4	101 Days and Beyond	0:1:3	4 Cr																			
11	Admissions	1) Admission to the four year full time B.Tech. Degree Program of the Institute shall be held as per the policies communicated by Government of India from time to time. Presently the admission is through Joint Entrance Examination (Mains), conducted by CBSE, New Delhi. 2) Reservation Policies as per Govt. of India norms for the Centrally Funded Technical Institutions shall apply, therein. 3) There shall be no provision of any lateral entry into the B.Tech. Degree Program. 4) The Branches to be offered in the B.Tech. Degree Program shall be as decided by the Senate from time to time. At present, however, B.Tech. Degree is awarded in the																				
12	Branch Change Option	1) Can be availed of by such students who have been admitted to a four year B.Tech. Degree Program of the Institute, BUT desire to change into another B.Tech. Degree Program of Four Years duration only, offered by a different department, having similar initial admission criterion. 2) Available only once for a batch and that too at the end of the first semester only. 3) A call to this effect shall be made by the AAA Section of the Institute, after the First Semester results of the B.Tech. Degree Program are declared, and the desirous student shall have to apply for the same, to be considered for Branch Change option. 4) Applying for a branch change option does not guarantee of being allowed the change. 5) Option shall be deemed to have been availed off, once the acceptance to that effect has been given by the student to the AAA Section. Option thus availed off is irreversible. 6) A																				

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 171

		a) Student should have appeared and successfully cleared all courses of the first Semester of the B.Tech. Degree program in which s/he was initially enrolled in. b) Student should NOT have dropped any course of the first semester. c) Student MUST have scored a SGPI greater than or equal to 7.50, based upon ALLPRESCRIBED Credits for the respective first Semester. d) Conduct of the student in the first Semester at the Institute should be blemish free. 7) In case a student is found involved in any case of misconduct / indiscipline, during the first semester, s/he may be debarred from being considered for Branch Change, despite his qualifying the other academic criterion, as stated herein above. 8) The availability of Branch Change option is subject to the availability of seats in the target Branch. Maximum number of total seats available in any program equals the sanctioned seats in the that program. 9) Branch change option shall be allowable upon the consideration of academic merit, after taking into consideration the conduct of the student AND shall be independent of the category of the student. No reservation rules shall therefore apply under this option. 10) In case of "tie" of first semester result, the decision shall be taken based upon the overall ALL India Rank of the students concerned in the qualifying entrance examination (presently the JEE Mains Examination), based upon which the initial admission was granted into the B.Tech. Degree Program. Student having rank higher than the other shall be given the option first. (Ex. - Amongst the AIRs 2182 and 2282,
13	Assessment Philosophy	Each assessment component is not merely test dominant, but should be problem-solving / practical-practice /mini project work / case study / discussions /assignment / seminar / tutorial / review-test based, such that the performance and score of the student is made
14	How Assessed	As detailed in Section A
15	How many times assessed	As detailed in Section A
16	Types of Assessment	As detailed in Section A
17	Assessment - By Whom, Mechanism, Appeal	a) Assessment of each Course shall be out of 100 Marks only, irrespective of the Credits assigned to it, where C1 shall be scalable out of 20 marks, C2 for 30 marks and C3 out of 50 marks each. b) Generally, the Faculty Member(s) who are the Course instructors shall evaluate the students enrolled in that particular Course. In special circumstances, the Chairman Senate may allow for the evaluation by others. c) The Components forming part of assessment shall be announced by the concerned faculty at the beginning of the semester (during the first week of the semester) and shall then remain fixed uniformly for that entire class. d) The proposed syllabus shall be composed of four equitable units, such that each unit is coverable in four weeks. C1 shall mark the completion of first two units syllabus, while C2 for the rest of the two units. e) The Student shall be shown the evaluated answer scripts after evaluation of various components C1, C2 etc, as detailed in the CCLCAA Ordinance. f) Break up of marks scored by the student in C1, C2 and C3 components shall be maintained by the respective faculty member till the student is awarded the degree / certification, as the case may be. g) Under the L,T,P form of content delivery and assessment, assessment shall be done for L,T & P on collective basis which means that a Course of Four Credits may though have 2 Credits for L, 1 Credit for T and 1Creditfor P, the assessment C1, C2 and C3 shall be done always taking into consideration the three components together. Though no individual credits shall be scorable for L,T and P, the respective faculty shall have to declare during the first week of his class the assessment mechanism s/he is going to follow for that semester.
18	Assessment - Date, Time & Venue.	a) The general period of assessments shall be declared in advance by the Office of the Dean Academic/AAA section through the Academic Calendar. The exact dates for

		assessment of each of the course(s) shall however be communicated separately later on. b) C1 Assessment dates, time and venue, as per the laid time schedules, shall be declared by the Faculty Member(s) taking the classes for the respective Courses. Also that for MAKE UP/Supplementary Exams. The dates shall however be communicated to AAA Section by email, at least three days in advance, so that examination copies can be provided to the Faculty Member in advance. C2 assessment will be conducted centrally or by faculty member based on the decision of the Institute. c) C3 assessment date, time and Venue shall be declared by the AAA Section and shall be organised in a centralised manner. The date sheet in this respect shall be declared well in advance. Student must appear in C2 and C3 to complete the course. d) Question Paper set by the respective Faculty Member(s) shall be submitted by him to the Examination cell within specified date prior to the date of examination. Examination cell will hand over the question papers in adequate number to the invigilation staff on duty, who shall distribute the same to the examinees. Similarly at the end of the assessment time period, the invigilation staff on duty shall collect the answer scripts and hand them over to the Examination cell. The Examination cell will hand over answer scripts to the respective Faculty Member, then and there. e) The checked answer scripts of C1, C2 (Review Tests/Mid Semester) & C3 (Semester End Examination), after being shown to the respective student shall be handed over by the respective Faculty Member(s) to the AAA Section together with the grade award sheet, within the prescribed time period, duly signed. Copy of the register showing the signatures of all students to the effect that they have seen their respective answer script shall also be handed over to the AAA Section. In case the student does not turn up to see his checked answer script within five days of the assessment being over, it shall be deemed that s/he is not interested in seeing his answer script and the marks awarded by the respective Faculty Member shall be treated as final. No appeal later on in such cases shall be entertained. f) Answer Scripts to be handed over by the faculty to the respective students after collecting the signature, however the answer scripts of those candidates who expressed their grievance against the evaluation, even after being shown the answer scripts, shall be handed over by the respective faculty member to the Officer in charge (OIC).
19	Tutorial and Practice Sessions Assessment	a) The respective Faculty Member shall be free to adopt his own assessment mechanism BUT the same shall have to be communicated explicitly and during the first week of the commencement of the classes for the respective Course to each of the student(s). b) The assessment mechanism shall be uniform for that class of students even if the students are spread over one or more sections. c) In case of an appeal, the respective faculty member shall be liable to defend the assessment methodology adopted by him. d) C1 and C2 assessment scores shall however be the sum total of scores obtained by any student, in L, T & P put together, and different mechanisms of assessment followed, as the case may be. e) C3 is a Semester End comprehensive examination, covering the entire syllabus and may
20	Project Assessment	a) Shall be done for C1, C2 and C3 components, at the respective time periods, just like any other Course, as detailed in Section A - Project Evaluation Mechanism. b) C1 & C2 assessments shall be done by the Supervisor(s) for 20 and 40 marks respectively. c) C3 assessment shall be done by committee of two persons, namely the External Subject Expert, nominated by the Director, along with the Supervisor (In case of the HoD/FC being the Project Supervisor, Dean Academics/Director shall be nominate). For this purpose, expert from another department of the Institute may also be treated as an external expert, if s/he is so known for and is not associated with the said work, a priori. C3 Evaluation shall be for 40 Marks only, BUT in two parts as detailed in Item No.15 of Section A.
21	Assessment of Self	Self Study Electives shall be assessed by the Faculty member recommending the course
	Study Elective	to be taken, in the same C1, C2 & C3 pattern.

¹Hkkx Iµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 173

22	Assessment of Internship	Internship Assessment shall be undertaken by the respective Industrial / Institutional Mentor under whom the internship is being undertaken. S/he shall be required to submit the scores for C1 and C2, while for C3 assessment, the student shall have to prepare a report like a Project Report and defend it before a Board, like a Project Evaluation Board. The same Board shall allocate the scores for C3 assessment. All the scores shall																								
23	Result Preparation, Declaration, Grade Sheet, Transcript, etc.	a) Marks scored after each component shall be communicated by the concerned Faculty to the AAA Section as per the following Schedule - Latest by 9th Week from the date of start of Semester for C1, latest by 17th Week for C2 and latest by 19th Week for C3 and latest by 21st week, where MAKE UP/Supplementary Exam opportunity is being availed of by some students. Upon lapse of these deadlines, the marks shall have to be deposited with the Director, IIITK. b) Semester wise result compilation and declaration shall be done by AAA section with the respective Faculty communicating the scores of each component, of every enrolled student, to the AAA Section at the end of each component period, as detailed in CCLCAA Ordinance. c) The semester wise provisional Grade Sheet shall be issued by the AAA Section under the seal & Signatures of AR/DR/JR (AAA) Section, as the case may be. The same shall be the only valid document in this respect. d) The semester wise Grade Sheet shall depict the Courses enrolled in, the Courses dropped, etc. distinctly. e) A provisional Cumulative Grade Sheet, for up to the end of Sixth Semester shall be issued upon request and payment of requisite fees, to facilitate participation in Training and Placement activities by the students. Cumulative Grade Sheet shall be issued by the AAA Section under the seal & Signatures of AR/DR/JR (AAA) Section, as the case may be. The same shall be the only valid document in this respect. f) The consolidated Official Transcript shall be issuable after the successful completion of the Course or at the time of availing an "Exit" Option (as detailed in the Section A for B. Tech. Degree Programs of the Institute), as the case may be, under the seal & Signatures of AR/DR/JR (AAA) Section, as the case may be. The same shall be the only valid document in this respect.																								
24	Grading System & Definition, etc.	a) Institute follows Relative Grading System on a Scale of 10, with 10 being the highest Score. b) The Grades are relative with respect to : I. the nature of assessment adopted by the particular faculty. II. the performance of the class c) Course Grade Point Index (GPI) is Calculated as follows: Marks $m = C1 + C2 + C3$ for each student where, • C1 refers to marks scored out of 20 • C2 refers to marks scored out of 30 • C3 refers to marks scored out of 50 • Total Score out of 100 A seven point credit system will be followed. Detail of the credit system will be as follows – <table border="1"> <thead> <tr> <th>Performance</th><th>Grade</th><th>GPI</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Excellent</td><td>Ex</td><td>10</td></tr> <tr> <td>Very Good</td><td>A</td><td>9</td></tr> <tr> <td>Good</td><td>B</td><td>8</td></tr> <tr> <td>Fair</td><td>C</td><td>7</td></tr> <tr> <td>Below Average</td><td>D</td><td>6</td></tr> <tr> <td>Pass</td><td>P</td><td>5</td></tr> <tr> <td>Fail</td><td>F</td><td>0</td></tr> </tbody> </table>	Performance	Grade	GPI	Excellent	Ex	10	Very Good	A	9	Good	B	8	Fair	C	7	Below Average	D	6	Pass	P	5	Fail	F	0
Performance	Grade	GPI																								
Excellent	Ex	10																								
Very Good	A	9																								
Good	B	8																								
Fair	C	7																								
Below Average	D	6																								
Pass	P	5																								
Fail	F	0																								

followed.

Marks Obtained (m)	Grade	GPI
m > 90	Ex	10
m > 80	A	9
m > 70	B	8
m > 60	C	7
m > 50	D	6
m > 40	P	5
m ≤ 40	F	0

For marks based system with sufficiently **large number of students (>40)**, following guideline may be followed.

Marks Obtained (m)	Grade	GPI
m > Mean + 1.5 * σ	Ex	10
m > Mean + σ to Mean + 1.5 * σ	A	9
m > Mean + 0.5 * σ to Mean + σ	B	8
m > Mean to Mean + 0.5 * σ	C	7
m > Mean - 0.5 * σ to Mean	D	6
m > Mean - σ to Mean - 0.5 * σ	P	5
m ≤ Mean - σ (Defined cut Off)	F	0

- "Defined Cut Off" = (Mean - σ)

Mean =

σ = standard deviation of

= $C1_i + C2_i + C3_i$ for i-th student and n = total number of students appeared in the paper

- Student must appear in C2 and C3 to complete the course.
- These calculations of Grade and GPI are applicable for a large class

d) A student has to obtain a minimum GPI of 5 in order to successfully complete the requirements of that particular Course and also to earn Credits in that Course. In case s/he fails to do so then s/he has to accept a DROP in that particular Course and re-register it subsequently (in the same or Equivalent Course).

e) During the period when the student could not successfully clear the C3 component and is yet to appear in the MAKE UP/Supplementary Examination, the student shall be notionally awarded "I" Grade, indicating that the said course is an 'Incomplete' Course.

f) Semester Grade Point Index (SGPI) is Calculated as follows:

g) A Students shall necessarily have to score a SGPI of 5.00 in every semester individually, with the successfully completed courses in that semester, failing which s/he shall voluntarily DROP few Courses to ensure a SGPI of 5.00.

h) ADD on Courses shall qualify for award of GPI ONLY.

i) NO SGPI / CGPI shall be calculable considering the ADD ON Courses.

j) Cumulative Grade Point Index (CGPI) is calculated as follows:

k) Degree Grade Point Index (DGPI) is calculated as follows:

l) When a student scores a DGPI of 8.50 or above, s/he shall be eligible to get the Degree with "Distinction".

m) Equivalent Percentage of Marks Scored is calculable as follows: I.

For a particular Course - GPI x 10

¹Hkkx II μ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 175

		II. For corresponding SGPI - SGPI X 10 III. For corresponding CGPI - CGPI X 10 IV. For corresponding DGPI - DGPI X 10
--	--	---

25	Withdrawal of Degree / Diploma / Certification	Consequent upon being convinced, following an enquiry, the Senate may resolve to withdraw the Degree /Diploma any other certification provided by the Institute. The aggrieved may however prefer for a review of such decision by the Senate, citing cogent reasons for review or go in for an appeal to the Board of Governors of the Institute.
26	Power to remove the difficulties	For the matter(s) NOT covered herein above or for unforeseen circumstances, but arising during the course of the implementation of the above ordinance, the Chairman Senate shall be authorised to remove the difficulties and decide the matters. The same shall be reported in the next meeting of the Senate.

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठत धारा 33 (ारा द) त शि
तय+ का योग करते ,ए, शासी बोड के अनुमोदन से सीनेट, भारतीय सूचना ौोगिक सं थान, ऊना के िन0
निलिखत अ2 यादेश बनाती है।

िविनयम 176

आर.3 फस का ढांचा

177आर.5 पाम योजनाआर.7 का सिमितआर.8 नामांकन और पंजीकरण आर.9 पाम जोड़ना/ॉप करनाआर.10 काय
म क % यूनतम और अधिकतम अविध आर.11 साख पंजीकरण म) लोचशीलताआर.12 अ- ययन से अ/ थायी अवकाश
आर.4 काय

म का ढांचा आर.6 संकाय परामश

दाताआर.1 काय 7म क अविध

176 आर.2 वेश

177

.....
3815(अ).—भारतीय सूचना ौोगिक संथान (साव जिनक-िनजी भागीदारी) अधिनयम,
2017 (2017 नई द ली, 23 अ
तूबर, 2019

िव
षय-
वतु
अि
धसू
चना

177 178 178 178 179 179 179 179 180